वर्ष : 33 ▸ अंक : 270 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, सोमवार, 16 दिसंबर 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

फडणवीस कैबिनेट 3.0

शिवसेना के 11 और एनसीपी के 9 मंत्रियों ने ली शपथ

भाजपा के 19 मंत्रियों ने ली शपथ

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की नव निर्वाचित महायुति सरकार का पहला शीतकालीन सत्र सोमवार से नागपुर में शुरू हो रहा है। इसकी पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति की नई सरकार का पहला कैबिनेट विस्तार रविवार नागपुर में ही संपन्न हुआ। महाराष्ट्र की 15वीं विधानसभा के लिए हुए 20 नवंबर को हुए चुनाव में 230 सीटें जीतने वाली महायुति सरकार के पहले इस मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान 39 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। 33 साल बाद नागपुर में संपन्न हुए राज्य सरकार के मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में महायुति में शामिल दलों के लगभग सभी प्रमुख नेता मौजूद रहे। नागपुर स्थित राजभवन में राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने भारतीय जनता पार्टी के 19, एकनाथ शिंदे की शिवसेना के 11 और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 9 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इस दौरान बीजेपी के 16 कैबिनेट मंत्रियों के अलावा 3 राज्य मंत्रियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। जबकि एकनाथ शिंदे के 9 कैबिनेट और 2 राज्यमंत्रियों ने शपथ ली तो वहीं अजित की एनसीपी के 8 कैबिनेट और 1 राज्य मंत्री को राज्यपाल ने मंत्री पद की शपथ दिलाई।

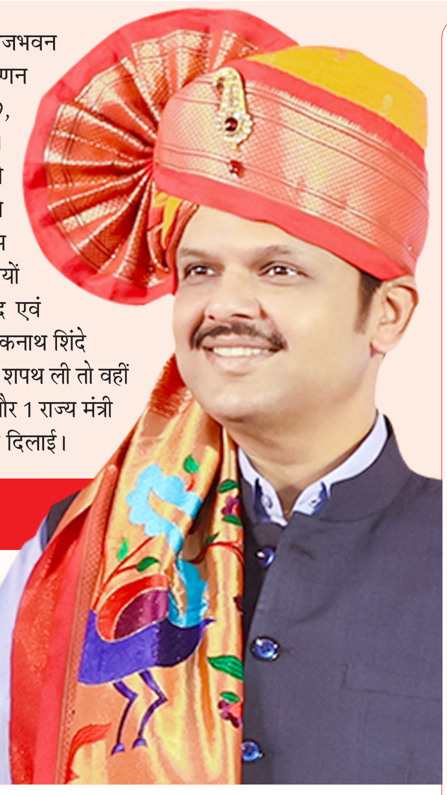

ढाई साल के लिए मंत्री पद

शपथ ग्रहण समारोह से पहले अजित पवार ने विधायकों के कार्यकाल को लेकर बड़ा खुलासा किया। नागपुर में कार्यकर्ताओं की एक बैठक में उन्होंने कहा कि हर कोई चाहता है कि उसे कैबिनेट में मौका मिले। लेकिन मंत्री पद कम हैं। इसलिए हम तीनों ने बैठकर फैसला लिया है। कैबिनेट सहयोगियों का पद ढाई साल तक रहेगा। हमने अभी कुछ लोगों को मौका देने का निर्णय लिया है। ढाई साल सबको मौका देंगे। सभी विभागों के साथ न्याय होगा।

शिवसेना के 11 मंत्री

- गुलाबराव पाटिल – (उत्तर महाराष्ट्र) गुर्जर –ओबीसी
- दादाजी दगडू भुसे– मालेगांव बाह्य
- संजय राठोड – दिग्रस (विदर्भ) ओबीसी बंजारा
- उदय रविंद्र सावंत, – रत्नागिरी (कोकण) कायस्थ ब्राह्मण
- शंभुराज शिवाजीराव देसाई – पाटन (पश्चिम महाराष्ट्र) मराठा,
- संजय पांडुरंग शिरसाट –औरंगाबाद (पश्चिम मराठवाड़ा) अनुसूचित जाति
- प्रताप बाबूराव सरनाईक – ठाणे–मजीवाड़ा – मराठा
- भरत मारुती गोगावले – महाड (कोकण) ओबीसी मराठा कुणबी
- प्रकाश आनंदराव आबिटकर – राधानगरी (पश्चिमी महाराष्ट्र) मराठा।

राज्यमंत्री

- आशीष नंदकिशोर जायसवाल – रामटेक (विदर्भ) ओबीसी–बनिया
- योगेश रामदास कदम –दापोली (कोकण) मराठा

एनसीपी के 9 मंत्री

- हसन मुश्रीफ – कागल (पश्चिम महाराष्ट्र) मुस्लिम
- धनंजय मुंडे –परली – मराठवाड़ा – बंजारा ओबीसी
- दत्तात्रेय विठोबा भरणे –इंदापुर – पश्चिम महाराष्ट्र – धनगर समाज
- अदिति सुनील तटकरे –श्रीवर्धन–कोकण – ओबीसी
- माणिकराव कोकाटे –सिन्नर–उत्तरी महाराष्ट्र – मराठा
- नरहरी झिरवल –डिंडोरी–उत्तर महाराष्ट्र–आदिवासी
- मकरंद जाधव –सातारा – पश्चिमी महाराष्ट्र – मराठा
- बाबासाहेब पाटिल –अहमदपुर – मराठवाड़ा – मराठा

राज्यमंत्री

- इंद्रनील नाईक –पुसद विधानसभा

भारतीय जनता पार्टी के 19 मंत्री

- चंद्रशेखर बावनकुले – कामठी (विदर्भ) – ओबीसी
- राधाकृष्ण विखे पाटिल– शिरडी (पश्चिमी महाराष्ट्र) मराठा
- चंद्रकांत पाटिल – कोथरुड (पश्चिमी महाराष्ट्र) मराठा।
- गिरीश महाजन– जामनेर (उत्तरी महाराष्ट्र) गुर्जर–ओबीसी
- गणेश नाईक – ऐरोली (ठाणे) ओबीसी
- मंगल प्रभात लोढ़ा – मलबार हिल– मारवाड़ी
- जयकुमार रावल – धुले शहादा– राजपूत
- पंकजा मुंडे – (एमएलसी) बीड (मराठवाड़ा) बंजारा समाज–ओबीसी
- अतुल सावे –औरंगाबाद पूर्व (मराठवाड़ा) ओबीसी माली
- डॉ. अशोक उइके –विदर्भ (आदिवासी)
- आशीष शेलार – बांद्रा–पश्चिम (मुंबई) मराठा
- शिवेंद्र राजे भोसले – सातारा (पश्चिमी महाराष्ट्र) मराठा
- जयकुमार गोरे – माण खटाव (पश्चिम महाराष्ट्र) माली–ओबीसी
- संजय सावकारे –भुसावल (उत्तरी महाराष्ट्र) एससी
- नीतेश राणे – कंकावली (कोकण) मराठा
- आकाश फुंडकर –खामगांव– कुणबी मराठा ओबीसी

राज्यमंत्री

- माधुरी मिसाल – पुणे (पश्चिमी महाराष्ट्र) ओबीसी
- पंकज भोयर –वर्धा (विदर्भ) कुणबी मराठा
- मेघना बोर्डीकर – जिंतूर (मराठवाड़ा) मराठा

नहीं रहे पद्म विभूषण उस्ताद जाकिर हुसैन

तबला मेस्ट्रो ने 73 की उम्र में ली आखिरी सांस

एजेंसी । सैन फ्रैंसिस्को

अपने तबले की धुन से सभी को मंत्रमुग्ध कर देने वाला चला गया। संगीत जगत के लिए बहुत दुखद खबर सामने आई है। तबला मास्टर जाकिर हुसैन अब इस दुनिया में नहीं रहे। एक समय ऐसा था जब जाकिर हुसैन के कंसर्ट में एक अलग ही महफिल नजर आती थी। बड़े-बड़े संगीतकारों संग उनकी जुगलबंदी का दर्शक आनंद लेते थे। उनके तबला बजाने के अंदाज की दुनिया कायल थी। वे अपनी फील्ड के सबसे बड़े उस्ताद थे। लेकिन 73 साल की उम्र में पद्म विभूषण जाकिर हुसैन ने दुनिया को अलविदा कह दिया।

उस्ताद जाकिर हुसैन अपनी फील्ड के सबसे बड़े उस्ताद थे। उनके हुनर का लोहा सभी ने माना। भले ही पिछले काफी समय से वे भारत में नहीं रह रहे थे और अमेरिका शिफ्ट हो गए थे लेकिन वे हर एक देशवासी के दिलों में बसते थे। इससे पहले जाकिर हुसैन के बहनोई अयूब औलिया ने उनकी सेहत बिगड़ने की जानकारी फैंस संग साझा की। इसके अलावा जाकिर के करीबी दोस्त और मुरलीवादक राकेश चौरसिया ने भी पिछले हफ्ते जाकिर हुसैन की हेल्थ को लेकर अपडेट दिया था। उन्होंने बताया था कि जाकिर हुसैन ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

पिता से सीखा संगीत

जाकिर हुसैन का जन्म 9 मार्च 1951 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता उस्ताद अल्लाह राखा देश के नामी तबलावादक थे। वे पंडित रवि शंकर और उस्ताद जाकिर हुसैन जैसे महान कलाकारों संग जुगलबंदी करते थे। पिता अल्लाह राखा की राह पर ही चलते हुए उस्ताद जाकिर हुसैन ने संगीत को ही अपना करियर चुना और उसे ही अपना जीवन भी बना लिया। बहुत छोटी उम्र से ही जाकिर हुसैन ने तबला सीखना शुरू कर दिया था। उनके पहले गुरु उनके पिता ही थे जिससे 11 साल की उम्र में जाकिर हुसैन ने संगीत की तालीम ली। उन्हें संगीत जगत में महत्वपूर्ण योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। जाकिर हुसैन को तबला बजाने का शोक इतना था कि वो उनके हाथ अगर कोई बर्तन भी लगता तो उसी में से वो धुन निकालने लगते थे। जाकिर जब 12 साल के थे तो वो अपने पिता के साथ एक कॉन्सर्ट में गए थे। वहां वो पंडित रविशंकर, उस्ताद अली अकबर खान, बिस्मिल्लाह खान, पंडित शांता प्रसाद और पंडित किशन महाराज से मिले।

न्यायिक कस्टडी में अंबेडकर अनुयायी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

डीबीडी संवाददाता । परभणी

परभणी जिले में पथराव मामले के आरोपित की रविवार रविवार को सुबह न्यायिक कस्टडी में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पुलिस ने युवक का शव पोस्टमॉर्टम के भेज दिया है। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया जाएगा। उसके बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट होगा। दरअसल, शनिवार को परभणी में डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्ति के सामने संविधान की प्रति का अपमान होने के बाद हुए आंदोलन ने हिंसक रूप ले लिया था। आक्रोशित अंबेडकर अनुनायियों ने परभणि में कई जगह पथराव और आगजनी की थी। प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था। इसके बाद पुलिस ने इस मामले में सोमनाथ सूर्यवंशी सहित 50 लोगों गिरफ्तार किया था। कोर्ट के आदेश पर इन सभी न्यायिक कस्टडी में भेज दिया था। आरोपित सोमनाथ सूर्यवंशी की रविवार सुबह तबियत बिगड़ने पर पुलिस ने तत्काल परभणि सिविल अस्पताल में पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने सोमनाथ को मृत घोषित कर दिया।

इस घटना की जानकारी मिलते ही नांदेड़ परिमंडल के पुलिस महानिरीक्षक शाहजी उमाप मौके पहुंच गये है। सोमनाथ के शव का पोस्टमार्टम मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कराने का आदेश दिया है। शाहजी उमाप ने कहा कि फिलहाल सोमनाथ सूर्यवंशी की मौत के सही कारण के बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। न्यायिक कस्टडी में सोमनाथ की मौत से शहर में हड़कंप मच गया है और इलाके में तनाव का माहौल है। इस घटना के बाद परभणि में तनाव बढ़ने की आशंका से पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस महानिरीक्षक शाहजी उमाप ने बताया कि शहर में एसआरपीएफ को बुलाया गया है, हम उनका उपयोग संवेदनशील क्षेत्रों में करेंगे।

परभणी में तनाव

पुलिस मुठभेड़ में लूट की घटना को अंजाम देने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी । जौनपुर

मडियाहूं व रामपुर की संयुक्त पुलिस टीम ने रविवार को मुठभेड़ के दौरान लूट की घटना को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान दोनों को पैर में गोली भी लगी। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने दोनों के पास से तमंचा और बड़ी संख्या में एटीएम कार्ड बरामद किया है।

घटना के संबंध में रविवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मडियाहूं में हुई लूट की वारदात के एक आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में थी। कईटीमें बनाकर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। मुखबिर से सूचना मिली कि लूट की वारदात में शामिल दो संदिग्ध आरोपी जमालापुर से बंधवा जाने वाले रोड की तरफ जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम जमालापुर बधवां रोड की तरफ तेजी से आगे बढ़ी। वहां पैदल जा रहे दो लोग पुलिस की गाड़ी दिखते ही खेतों की तरफ जाने लगे । पुलिस ने रुकने को कहा तो एक आरोपी ने फायर कर दिया । अंधेरे का फायदा उठाकर दोनों खेतों से होकर सरौना गांव की तरफ बढ़ गये। सरौना गांव लिंक मार्ग के पास पुलिस टीमों ने उन्हें घेर लिया खुद को घिरा देख दोनों बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दिया।पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में दोनों के पैर में गोली लगी दोनों आरोपियों के नाम राहुल पाल (22) पुत्र अनिल पाल निवासी शेखपुर थाना देल्हुपुर (प्रतापगढ) और सागर सरोज (24) पुत्र राजेन्द्र सरोज निवासी अकारीपुर विश्वनाथगंज थाना देल्हूपुर (प्रतापगढ़) हैं।

शीत लहर की चपेट में पूरा उत्तर भारत

अयोध्या में पारा 2.5 डिग्री सेल्सियस

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली एनसीआर समेत समूचे उत्तर भारत का मौसम तेजी से बदल रहा है। उत्तर प्रदेश और बिहार में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इन दोनों राज्यों में रविवार को सबसे ज्यादा ठंड रामनगरी अयोध्या में रही। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक अयोध्या में रविवार को न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस से भी कम दर्ज किया गया। इधर, दिल्ली एनसीआर में भी पारा तेजी से लुढ़का है। यहां 4.9 डिग्री सेल्सियस के आसपास न्यूनतम तापमान रिकार्ड किया गया है। भारतीय मौसम विभाग के लखनऊ और पटना केंद्र ने दोनों ही राज्यों में कड़ाके की ठंड और शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। उधर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर समेत अन्य पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का दौर लगातार जारी है। इसी प्रकार मौसम विभाग ने दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में बारिश की संभावना जताई है। आईएमडी की ताजा बुलेटिन के मुताबिक सोमवार को तमिलनाडु और अंडमान निकोबार द्वीप समूह के बड़े हिस्से में कहीं धीमी तो कहीं तेज बारिश हो सकती है।

दिल्ली में 5 डिग्री से नीचे तापमान

मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में रविवार को सामान्य से करीब तीन डिग्री कम 4.9 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकार्ड किया गया है। माना जा रहा है कि दिल्ली में अगले एक सप्ताह तक मामूली उतार चढाव के साथ इतना तापमान बना रहेगा। यहां क्रिसमस के आसपास ठंड बढ़ने की संभावना जताई गई है। भारतीय मौसम विभाग के रिपोर्ट के मुताबिक कश्मीर घाटी में अभी भी पारा शून्य से नीचे बना हुआ है। बर्फबारी लगातार जारी है। रविवार को श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस नीचे है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन दिनों में घाटी में न्यूनतम तापमान में और गिरावट आ सकती है।

2026 तक नहीं रहेगा नक्सलवाद का नामो-निशान: अमित शाह

एजेंसी । रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि केंद्र और छत्तीसगढ़ सरकार 31 मार्च 2026 से पहले राज्य से नक्सलवाद के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में राष्ट्रपति पुलिस कलर अवार्ड समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि जब छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा, तो पूरा देश इस खतरे से मुक्त हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस ने पिछले एक साल में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। शाह ने नक्सलियों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति की भी सराहना की और उनसे हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राज्य नेतृत्व, मुख्यमंत्री, राज्य के गृह मंत्री ने संकल्प लिया है और भारत सरकार भी आपके संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध है। हम सब मिलकर 31 मार्च 2026 से पहले छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म कर देंगे। हम सब 31 मार्च 2026 से पहले छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद के चंगुल से मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा, तो पूरा देश इस समस्या से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद को खत्म करना राज्य पुलिस का संकल्प है।

हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में आए नक्सली

केंद्रीय मंत्री ने नक्सलियों से हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील भी की। उन्होंने कहा, 'मैं नक्सलियों से अपील करना चाहूंगा कि राज्य सरकार ने बहुत अच्छी आत्मसमर्पण नीति बनाई है, इसलिए उन्हें हिंसा छोड़ देनी चाहिए। उन्हें मुख्यधारा में शामिल होना चाहिए, विकास के पथ पर आगे बढ़ना चाहिए और छत्तीसगढ़ के विकास में भी योगदान देना चाहिए।" शाह ने कहा कि राज्य सरकार आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को अच्छा पैकेज दे रही है और उन्हें इसका लाभ उठाना चाहिए।

पिछले एक साल में मारे गए 287 नक्सली

अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रपति कलर अवार्ड सिर्फ एक पुरस्कार नहीं है, यह सेवा, समर्पण और बलिदान का प्रतीक है और यह पुलिस को जिन अनगिनत चुनौतियों से निपटना है, उनकी याद दिलाता है। गृह मंत्री ने विश्वास जताया कि छत्तीसगढ़ पुलिस अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगी और अपने कर्तव्य से कभी पीछे नहीं हटेगी। शाह ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि कल से छत्तीसगढ़ पुलिस के जवान अपनी वर्दी पर यह प्रतीक चिन्ह लगाकर निकलेंगे तब उनका मनोबल कई गुना बढ़ जाएगा।' उन्होंने कहा, 'छत्तीसगढ़ पुलिस ने पिछले एक साल में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की हैराज्य में पिछले एक साल में 287 नक्सलियों को मार गिराया गया, करीब एक हजार को गिरफ्तार किया गया।

कोचिंग इंस्टीट्यूट में गैस लीक होने से 24 छात्र बेहोश

दो छात्राओं की हालत गंभीर

एजेंसी । जयपुर

राजस्थान की राजधानी जयपुर के कोचिंग इंस्टीट्यूट में गैस लीक होने से 24 छात्र बेहोश हो गए हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। ऐसा बताया जा रहा है कि राजधानी के गोपालपुर इलाके स्थित उत्कर्ष कोचिंग में यह हादसा हुआ। रविवार शाम को इंस्टीट्यूट में छात्रों को अचानक दुर्गंध महसूस हुई। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। 7 छात्राओं को नजदीक के अस्पताल में दाखिल करवाया गया। वहीं, दो अन्य को मेट्रो हॉस्पिटल में इलाज के लिए भेजा गया। यहां पर रविवार को भी स्पेशल क्लासेज लगाई गई थीं। शायद यह गैस का असर है या कोई और कारण, इसकी जांच की जा रही है। बता दें कि दो छात्राओं की हालत गंभीर बताई जा रही है।

महायुति के कैबिनेट में कितनी लाडकी बहनों को मिला मौका

जानें कौन बना पहली बार मंत्री

डीबीडी संवाददाता | नागपुर

महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट का विस्तार रविवार को हो गया। नागपुर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में महायुति के 39 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। नवंबर में हुए विधानसभा में महायुति को बंपर जीत मिली। इस जीत का सबसे बड़ा श्रेय 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' (लाडली बहन योजना) को दिया जा रहा है। ऐसे में सरकार में महिलाओं की भागीदारी पर सबकी नजरें टिकी हुई थी। एकनाथ शिंदे के नेतृत्ववाली पिछली महायुति सरकार ने राज्य में लाडली बहनों के कल्याण के लिए कई योजनाएं शुरू की थी। महायुति के उम्मीदवारों को विधानसभा चुनाव में इसका लाभ भी मिला लेकिन फडणवीस सरकार के कैबिनेट विस्तार में बहनों की संख्या कम देखने को मिली।

फडणवीस सरकार में चार लाड़ली बहनें

तीन प्रमुख दलों वाली महायुति कैबिनेट में सिर्फ चार महिला विधायकों को ही मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इसमें भाजपा से पंकजा मुंडे, माधुरी मिसाल, मेघना बोर्डिकर और अजित पवार की एनसीपी से अदिति तटकरे शामिल हैं। हैरानी की बात यह है कि लाडली बहन योजना का श्रेय लेने की कोशिश करने वाले एकनाथ शिंदे ने शिवसेना से एक भी महिला को मंत्री नहीं बनाया।

इन्हें मिला पहली बार मौका

वहीं भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले के अलावा नीतेश राणे, पंकज भोयर, माधुरी मिसाल, मेघना बोर्डिकर, संजय शिरसाट, योगेश कदम और इंद्रनील नाईक ऐसे विधायक हैं, जिन्हें पहली बार मंत्री बनने का मौका मिला है।

रावल को मिला इनाम

हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में जयकुमार रावल ने धुले में भाजपा को शत प्रतिशत सफलता दिलाई। रावल के नेतृत्व में धुले की सभी 5 सीटों पर महायुति के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। रावल खुद 2004, 2009, 2014, 2019 और 2024 में लगातार पांचवीं बार धुले के शिंदखेडा निर्वाचन क्षेत्र से विधायक बने। रावल को बीजेपी ने मंत्री पद का रिटर्न गिफ्ट दिया है। रावल ने अपनी राजनीति की शुरुआत डोंडाई नगर पालिका में पार्षद पद से की थी। 28 वर्ष की आयु में उन्होंने तत्कालीन मंत्रियों को हराकर विधानसभा में प्रवेश किया। 2016 में उन्हें मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री के रूप में चुना गया। उन्होंने पर्यटन, खाद्य और चिकित्सा, शाही शिष्टाचार विभाग के मामलों को संभाला है।

राजभवन जाने के लिए बावनकुले ने लिया दूसरे की गाड़ी का सहारा

नागपुर के राजभवन में धूमधाम से संपन्न हुए शपथ ग्रहण समारोह में पुलिस की खराब तैयारी देखने को मिली। शपथ ग्रहण समारोह में उमड़ी भीड़ के कारण कई मंत्री ट्रैफिक की चपेट में आ गए हैं। राजभवन द्वार पर भारी भीड़ होने के कारण भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को अपनी कार छोड़कर किसी और की गाड़ी से राजभवन में प्रवेश करना पड़ा। कई मंत्रियों की गाड़ियां राजभवन के गेट पर फंसी रहीं। राजभवन इलाके में भीषण जाम लग गया।

ऐसा होगा विभागों का बंटवारा!

विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने सबसे ज्यादा सीटें जीतीं। बीजेपी के 132 उम्मीदवार जीते। जबकि एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 57 और अजित पवार की एनसीपी को 41 सीटें मिलीं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गृह मंत्री का पद बीजेपी के पास ही रहेगा। कहा जा रहा है कि गृह मंत्रालय के साथ-साथ राजस्व, शिक्षा और सिंचाई विभाग भी बीजेपी के पास ही रहेगा। वहीं शहरी विकास मंत्रालय से आवास, उद्योग, स्वास्थ्य, परिवहन, पर्यटन, आईटी और मराठी भाषा का हिसाब-किताब शिवसेना शिंदे समूह को मिलने की संभावना है।

माज़डॉक 10K चैलेंज 2024 – दूसरा संस्करण

MDL ने उत्कृष्टता के 250 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

अपनी 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, माज़गांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) ने रविवार, 15 दिसंबर, 2024 को माज़डॉक मुंबई 10K चैलेंज के दूसरे संस्करण की गर्व से मेज़बानी की। इस आयोजन ने शहर में जोश भर दिया और समाज के हर क्षेत्र से प्रतिभागियों को एक साथ लाया, जिससे समुद्री और जहाज निर्माण क्षेत्रों में MDL की गहरी जड़ें और मजबूत हुईं। यह मील का पत्थर न केवल जहाज निर्माण में MDL की 250 साल की उत्कृष्टता को दर्शाता है, बल्कि नवाचार, गुणवत्ता और राष्ट्रीय विकास के लिए कंपनी की निरंतर प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। इस कार्यक्रम को आज आजाद मैदान में खेल जगत की दिग्गज हस्तियों मोनालिसा बरुआ मेहता, डायना एडुल्जी, ललिता बाबर और अमन चौधरी ने संजीव सिंघल (सीएमडी), बीजू जॉर्ज (निदेशक, जहाज निर्माण), कमांडर वासुदेव पुराणिक (आईएन सेवानिवृत्त), हरि नारायण जांगिड़ (सीवीओ) की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 1774 में अपनी स्थापना के बाद से, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) राष्ट्रीय शक्ति का एक गौरवशाली प्रतीक रहा है, जिसने युद्धपोतों, पनडुब्बियों और वाणिज्यिक जहाजों का निर्माण किया है जो हमारे तटों की सुरक्षा करते हैं और हमारी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाते हैं। इस अवसर पर एमडीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक संजीव सिंघल ने कहा कि यह कार्यक्रम विशेष महत्व रखता है क्योंकि एमडीएल अपनी उल्लेखनीय 250 साल की यात्रा और प्रतिष्ठित नवरत्न का दर्जा हासिल करने वाले पहले शिपयार्ड के रूप में अपनी विशिष्टता का जश्न मनाता है। सीएमडी ने आगे कहा कि मैराथन का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य और फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देना और मझगांव डॉक की कार्यक्षमता को प्रदर्शित करना है।

शिंदे सरकार के इन मंत्रियों की हो गई छुट्टी, फडणवीस कैबिनेट में नहीं मिली जगह

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई। महाराष्ट्र में बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गठबंधन वाली महायुति सरकार 2.0 के नए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मंत्रिमंडल का विस्तार रविवार को संपन्न हुआ। नागपुर स्थित राजभवन में आयोजित भव्य कार्यक्रम में कई विधायकों को पहली बार मंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ तो वर्षों से मंत्री रहे कई दिग्गजों का पत्ता कट गया। इनमें कुछ ऐसे भी नाम शामिल हैं जो शिवसेना में उद्धव ठाकरे और एनसीपी में शरद पवार के खिलाफ हुई बगावत के दौरान एकनाथ शिंदे व अजित पवार के समर्थन में मजबूती से खड़े थे। तो वहीं बीजेपी के पूर्व मंत्री रविंद्र चव्हाण को मंत्री नहीं बनाया जाना भी महाराष्ट्र के सियासी गलियारे में चर्चा का विषय बन गया है।

इनका मंत्री पद से कटा पत्ता

बगावत के समय एकनाथ शिंदे और अजित पवार को साथ देने वाले पूर्व मंत्री व विधायक सुधीर मुनगंटीवार, छगन भुजबल, दिलीप वलसे पाटिल, दीपक केसरकर, तानाजी सावंत, अब्दुल सत्तार को फडणवीस के मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है।

फडणवीस ने दिया कड़ा संदेश

विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक बहुमत मिलने के करीब 22 दिनों के बाद फडणवीस सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार रविवार को संपन्न हुआ। इसमें फडणवीस ने साहसी निर्णय लेते हुए कई दिग्गजों का पता काट दिया तो वहीं 25 नए चेहरों को मंत्री बनाकर पुराने मंत्रियों को कड़ा संदेश देने का प्रयास भी किया है। शिंदे सरकार में मंत्री पद पर काम करने वाले सुरेश खाड़े, विजयकुमार गावित को फडणवीस के मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है। बताया जा रहा है कि फडणवीस ने विवादों में घिरे रहने वाले खासकर बड़बोले नेताओं को मंत्रिमंडल में जगह देने से इनकार कर दिया और साफ-सुथरी छवि वाले विधायकों को ही मंत्री पद की शपथ के लिए बुलाया जाता है।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 12 लाख की चंदन की लकड़ी जब्त

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के लातूर जिले में 12 लाख रुपये की 152 किलोग्राम चंदन की तस्करी की गई। अधिकारियों ने रविवार को इसकी घोषणा की। पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने शनिवार शाम यहां राजमार्ग पर औजा के पास एक स्पोर्ट यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) को रोका। इसके साथ ही वाहन की जांच करने पर उसके अंदर 12.08 लाख रुपये की चंदन की लकड़ी मिली। जिससे ये पता चलता है कि इसकी तस्करी की गई थी। खबरों के मुताबिक बार्शी और औसा के रहने वाले 30 और 50 साल के 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया है कि एक अन्य आरोपी फरार हो गया है और उसे पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। दरअसल आरोपियों के खिलाफ कानून के संबंधित प्रावधानों के द्वारा मामला दर्ज कर लिया गया है, और चंदन की लकड़ी के उच्च मूल्य के कारण इसे वन अधिनियम के तहत संरक्षित किया गया है। इसके साथ ही चंदन की लकड़ी की कटाई और उसको ले जाने के लिए वन विभाग से अनुमति लेना आवश्यक है।

पुणे-मऊ जंक्शन के बीच कुंभ मेला विशेष ट्रेन चलाएगा (12 ट्रिप)

डीबीडी संवाददाता | पुणे

पुणे रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए पुणे और मऊ जंक्शन के बीच अतिरिक्त कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इसके तहत ट्रेन संख्या 01455 पुणे-मऊ जंक्शन कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन 08 ।01 ।2025, 16 ।01 ।2025, 24 ।01 ।2025, 06 ।02 ।2025, 08 ।02 ।2025 और 21 ।02 ।2025 (6 ट्रिप) को पुणे से 10 ।10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22 ।00 बजे मऊ पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 01456 मऊ-पुणे कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन 09 ।01 ।2025, 17 ।01 ।2025, 25 ।01 ।2025, 07 ।02 ।2025, 09 ।02 ।2025 और 22 ।02 ।2025 (6 ट्रिप) को मऊ से 23 ।50 बजे प्रस्थान करेगी और पुणे तीसरे दिन 15 ।45 बजे पहुंचेगी। यात्रा के दौरान ट्रेन दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, बेलापुर, मनमाड, जलगांव, भुसावल, खंडवा, तलवड़िया, छनेरा, खिरकिया, हरदा, बानापुरा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, चुनार, वाराणसी, शाहगंज और आज़मगढ़। ट्रेन नंबर 01455 पुणे-मऊ जंक्शन के लिए बुकिंग 20 ।12 ।2024 को सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और www ।irctc ।co ।in वेबसाइट पर खुली रहेगी।

सचिन शर्मा ने जैसलमेर में 160 किलोमीटर की अल्ट्रा मैराथन पूरी की

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक के सचिव सचिन अशोक शर्मा (IRTS 2008) ने 14 से 15 दिसंबर, 2024 तक आयोजित चुनौतीपूर्ण जैसलमेर अल्ट्रा मैराथन 2024 में भाग लिया। उन्होंने चुनौतीपूर्ण 160 किलोमीटर की रेस में भाग लिया और इसे 23 घंटे में पूरा किया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शर्मा ने 15 दिसंबर, 2024 को 160 किमी की अल्ट्रा मैराथन को 23 घंटे में सफलतापूर्वक पूरी की। शर्मा ने इस ग्रेट अल्ट्रा मैराथन दौड़ को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले पहले भारतीय रेल अधिकारी होने का गौरव प्राप्त किया। इससे पहले शर्मा ने 2022 में 42 किलोमीटर की लद्दाख फुल मैराथन, 2023 में 72 किलोमीटर की खारदुंग ला चैलेंज और 42 किलोमीटर की लद्दाख फुल मैराथन, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित कॉमरेड्स मैराथन (86 किलोमीटर) और इस साल लद्दाख में आयोजित सिल्क रूट अल्ट्रा मैराथन के अलावा देश भर में कई अन्य अल्ट्रा और अन्य मैराथन तथा ट्रायथलॉन में भी भाग लिया है। पश्चिम रेलवे श्री शर्मा को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई देती है तथा आगामी दौड़ में उनकी सफलता की कामना करती है।

महाराष्ट्र में कब होगा मंत्रियों के विभागों का बंटवारा?

CM फडणवीस ने दिया जवाब

डीबीडी संवाददाता | नागपुर

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में जीत के बाद देवेंद्र फडणवीस की सरकार बनी। एकनाथ शिंदे और अजित पवार उपमुख्यमंत्री बने, लेकिन मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर लंबा सस्पेंस चला। अंततः रविवार को देवेंद्र मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ और 39 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई। इनमें 33 कैबिनेट और छह राज्य मंत्री की शपथ दिलाई गई। अब मंत्रियों को कौन से विभाग दिए जाएंगे। इसे लेकर कयास शुरू हो गए हैं। इस बीच, सीएम देवेंद्र फडणवीस का बयान आया है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मंत्रियों के विभागों के बंटवारे अगले दो दिनों में हो जाएगा। बता दें कि पहले से ही विभागों के बंटवारे को लेकर महायुति के घटक दल भाजपा, शिवसेना और एनसीपी में खींचतान चल रही है। मंत्रिमंडल विस्तार समारोह से कुछ घंटे पहले उपमुख्यमंत्री और एनसीपी नेता अजित पवार ने कहा कि शपथ लेने वालों में से कुछ का कार्यकाल ढाई साल का होगा। सहयोगी दलों में सबसे बड़ी पार्टी होने के कारण भाजपा को 19 मंत्री पद मिले, जबकि शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को क्रमशः 11 और 9 मंत्री पद मिले।

किसे कौन सा विभाग दिया जाएगा

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'आज 39 नेताओं ने शपथ ली है, इनमें 6 राज्य मंत्री हैं। दो दिन में साफ हो जाएगा कि किसे कौन सा विभाग दिया जाएगा। इस सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा होगी। इस सत्र में 20 विधेयक आएंगे ।उन्होंने कहा कि विपक्ष ने एक पत्र दिया था। पिछले सत्र के पत्र में ईवीएम पर एक पैराग्राफ जोड़ा गया है। पत्र का पहले भी जवाब दिया गया है, जितनी बार सवाल पूछे जाएंगे, उसका जवाब दिया जाएगा। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि ईवीएम का मतलब है महाराष्ट्र के लिए हर वोट'

मंत्रियों के कामकाज का करेंगे ऑडिट : सीएम

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'हम सभी मंत्रियों का प्रदर्शन ऑडिट कराने जा रहे हैं और ऑडिट में अगर यह पाया गया कि मंत्री सही काम नहीं कर रहे हैं तो उस मंत्री पर पुनर्विचार किया जाएगा।' सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'महाराष्ट्र के परभणी शहर में हुई हिंसा के संबंध में मुझे एक अनुरोध करना है कि इस तरह से प्रतिक्रिया देना सही नहीं है। यह सरकार संविधान के खिलाफ कभी कुछ नहीं करेगी। कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। तीन आरोपी पाए गए हैं'इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ईवीएम को लेकर विपक्ष के आरोप पर कहा कि ईवीएम को लेकर एक पत्र दिया गया है। हमने जो काम किया, उसे सभी ने देखा है। 86 कैबिनेट मीटिंग हुईं और 850 फैसले लिए गए। इसके बाद भी हम एक टीम के तौर पर काम करेंगे ।उन्होंने कहा कि कर्नाटक, झारखंड और इन जगहों पर जीतने के बाद वे कहते हैं कि ईवीएम अच्छी है और हारते हैं तो चुनाव आयोग को दोष देते हैं।

जीएसटी चोरी करने वालों की अब खैर नहीं

केन्द्रीय जीएसटी भिवंडी कमिश्नरेट ने एक कर चोर को भेजा जेल

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

केंद्रीय जीएसटी भिवंडी कमिश्नरेट के अधिकारियों ने शंकर टी. चौधरी नामक एक करदाता को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। बता दें कि शंकर चौधरी नामक व्यक्ति जिसने लगभग 24 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी वाले टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) मामले की साजिश रची थी। इस करदाता ने आपूर्तिकर्ताओं द्वारा जारी किए गए चालानों पर बिना किसी वास्तविक माल या सेवाओं की आपूर्ति के आधार पर 12.23 करोड़ रुपये का आईटीसी अवैध रूप से प्राप्त किया। इसके अलावा चौधरी ने बिना वास्तविक आपूर्ति के अन्य फर्मों को 11.90 करोड़ रुपये का अवैध आईटीसी जारी कर पास किया। सीजीएसटी अधिकारियों की जांच के दौरान चौधरी ने अपने बयान में इस धोखाधड़ी को स्वीकार किया और केंद्रीय जीएसटी अधिनियम 2017 की धारा 70 के तहत उसके द्वारा दिए गए बयानों के आधार पर उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में हाजिर किया। मुंबई के माननीय सीएमएम कोर्ट ने उसे 27.12.2024 तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। केंद्रीय जीएसटी विभाग ने इस बात की पुष्टि की है कि वह कर चोरी करने वालों और राष्ट्रीय राजस्व के नुकसान के लिए सिस्टम का गलत उपयोग करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है और उनकी जांच जारी है। अधिकारियों द्वारा दी गयी जानकारी में बताया गया कि इस धोखाधड़ी में शामिल सभी व्यक्तियों और संस्थाओं की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

नेशनल स्कूल कबड्डी टूर्नामेंट में महाराष्ट्र को मिला रजत पदक

- पालघर की बिटिया ऋनिता और बेटा ध्रुव की बड़ी भूमिका
- जिलाधिकारी बोडके ने पीठ थपथपाई

डीबीडी संवाददाता | पालघर

हाल ही राज्य के अमरावती में संपन्न नेशनल स्कूल कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान पालघर जिले के दो प्रतिभाशाली खिलाडियों ने महाराष्ट्र को रजत पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हुए जिले को गौरवान्वित किया है। जिला सूचना कार्यालय की ओर से मिल रही जानकारी के मुताबिक हरियाणा के विरुद्ध महाराष्ट्र की ओर से पुरुष वर्ग की कबड्डी टूर्नामेंट में ध्रुव मेहरणे ने बाजी मारी है तो दूसरी ओर हिमाचल के विरुद्ध मुकाबले में महिला वर्ग में ऋनिता पाटील ने जीत की ईबारत लिखी है। बता दें कि महाराष्ट्र राज्य की ओर से राज्यस्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट के लिए चुने गये टीम में जिले की श्राफ विद्यालय के छात्र ध्रुल मेहरणे और ह.म.विद्यालय की छात्रा ऋनिता पाटील का चयन किया गया था ।दोनों प्रतिभावान खिलाड़ियों ने राज्य को रजत पदक दिलाने में अहम भूमिका अदा की है। जिला मुख्यालय स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में जिला क्रीडा परिषद अध्यक्ष एवं जिलाधिकारी गोविंद बोडके के शुभ हाथों जिले का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ी द्वय का ह. म. विद्यालय की मुख्याध्यापिका मधुमती कुलकर्णी,श्राफ विद्यालय की मुख्याध्यापिका सुचिता पाटील, जिला क्रीडा समन्वयक आशिष पाटील, क्रीडा मार्गदर्शक विशाल पाटील,अमृत घाडगे, प्रतिश पाटील भुक्ति अंब्रे और जिला क्रीडा अधिकारी सुहास व्हनमाने आदि के उपस्थिति में सत्कार किया गया। जिला क्रीडा परिषद अध्यक्ष गोविंद बोडके ने खिलाड़ी द्वय का पीठ थपथपाते कहा कि इसमें लैश मात्र आशंका नहीं है कि जिले के प्रतिभावान खिलाड़ी ओलंपिक में भी पालघर की डंका बजायेंगे।

---

33 साल बाद मंत्रियों के शपथग्रहण का गवाह बना नागपुर

डीबीडी संवाददाता | नागपुर

नागपुर के राजभवन में रविवार को महाराष्ट्र के 39 मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ, जो 33 सालों बाद महाराष्ट्र की दूसरी राजधानी में आयोजित हुआ। इससे पहले, 1991 में तत्कालीन मुख्यमंत्री सुधाकरराव नाईक के शासनकाल में मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ था। नाईक ने उस समय शिवसेना के बागी नेता छगन भुजबल और राजेंद्र गोले को अपनी सरकार में शामिल किया था। साथ ही कांग्रेस के बीड विधायक जयदत्त क्षीरसागर को भी नाईक सरकार में मंत्री बनाया गया था। इस बार शपथ ग्रहण समारोह में 39 मंत्रियों का स्वागत किया गया, जिनमें देवेंद्र फडणवीस सरकार के मंत्रियों को शामिल किया गया था। राज्यपाल सी। सुब्रह्मणियम ने इन सभी मंत्रियों को शपथ दिलाई। इस शपथ ग्रहण समारोह में एक दिलचस्प कड़ी यह रही कि छगन भुजबल, जो कभी नाईक सरकार में शामिल हुए थे, अब एक बड़े नाम के रूप में इस नई सरकार से बाहर हो गए हैं। इस बार भुजबल को मंत्रिमंडल से बाहर किया गया। सुधाकरराव नाईक, जो 1991 से 1993 तक मुख्यमंत्री रहे, ने अपने मंत्रिमंडल के विस्तार के दौरान भुजबल और गोले जैसे बागी नेताओं को कांग्रेस के साथ मिलाकर सरकार में शामिल किया था। बाद में, तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष माधुकरराव चौधरी ने शिवसेना के बागी नेताओं के समूह को कांग्रेस में विलय करने की मंजूरी दी थी। अंतरराष्ट्रीय राजनीति की तरह, यह भी एक दिलचस्प घटनाक्रम था कि भुजबल और गोले दोनों को 1995 के विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। भुजबल मुंबई के मझगांव और गोले बुलढाणा सीट से हार गए थे। यह बदलाव राज्य की राजनीति में एक बड़ा मोड़ था, जो न केवल कांग्रेस के लिए बल्कि शिवसेना के लिए भी एक चुनौती बन गया था। इस बार जब 39 नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण हुआ, तो यह महाराष्ट्र की बदलती राजनीतिक दिशा और सत्ता समीकरणों के नए दौर का प्रतीक बन गया है। 33 साल बाद हुए इस शपथ ग्रहण समारोह में राज्य की राजनीति में कई पुराने चेहरे और नए समीकरण देखने को मिले हैं।

नहीं थम रहा 'बेस्ट' बस का आतंक

कुर्ला के बाद अब बाइक सवार को पहिए तले कुचला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बेस्ट बस से दुर्घटनाएं खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। कुछ दिन पहले ही बेस्ट बस से भीषण सड़क दुर्घटना में 7 लोगों की मौत हो गई थी और 40 से भी ज्यादा लोग घायल हो गए थे और अब बाइक सवार को कुचलने की खबर सामने आ रही है।

मुंबई के कुर्ला में 'बेस्ट' (बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन उपक्रम) बस दुर्घटना में सात लोगों की मौत की घटना के कुछ दिन बाद गोवंडी इलाके में परिवहन निकाय की बस ने मोटरसाइकिल सवार को कुचल दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

शिवाजी नगर चौराहे की घटना

एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना शनिवार देर रात गोवंडी के शिवाजी नगर चौराहे पर हुई। अधिकारी ने बताया कि बस शिवाजी नगर से कुर्ला बस डिपो की ओर जा रही थी तभी उसने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी और वह पिछले पहिये के नीचे आ गया।

चालक की हुई पहचान

उन्होंने बताया कि मोटरसाइकिल सवार दीक्षित विनोद राजपूत के सिर में गंभीर चोट आई और उसे राजावाडी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने बताया कि अस्पताल लाये जाने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने बस चालक विनोद आबाजी रणखंबे (39) को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया है और जांच जारी है।

कुर्ला में हुआ था भीषण हादसा

'बेस्ट' की एक अनियंत्रित इलेक्ट्रिक बस ने सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे कुर्ला (पश्चिम) में एसजी बर्वे मार्ग पर पैदल यात्रियों को कुचल दिया था और कई वाहनों को टक्कर मार दी थी। दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई और ड्यूटी पर तैनात चार पुलिसकर्मियों समेत 42 अन्य घायल हो गए थे तथा इस दौरान 22 वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए थे।

मुंबई में वर्ली इलाके के पूनम चैंबर्स में लगी आग

मौके पर पहुंची दमकल गाड़ियां

घटनास्थल पर पहुंचे आदित्य ठाकरे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई में वर्ली इलाके के पूनम चैंबर्स में रविवार को भीषण आग लग गई। खबर मिलते ही दमकल की गाड़ियां तुरंत ही घटना स्थल पर पहुंची है और आग बुझाने का काम कर रही है। इस घटना की जानकारी मिलते ही शिवसेना यूबीटी के नेता आदित्य ठाकरे भी घटनास्थल पर पहुंच गए है। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि कूलिंग ऑपरेशन जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा। आदित्य ठाकरे ने कहा, "दमकल गाड़ियां अंदर जा रही हैं और जल्द ही कूलिंग ऑपरेशन शुरू हो जाएगा"

इमारत की दूसरी मंजिल में लगी आग

आग लगने का कारण अभी तक साफ नहीं हो पाया है। दमकल कर्मी लगातार आग बूझाने की कोशिश कर रहे है। ठाकरे ने कहा,' दमकल गाड़ियां अंदर जा रही हैं और जल्द ही कूलिंग ऑपरेशन शुरू हो जाएगा।'

मुंबई फायर ब्रिगेड के अनुसार, घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने की सूचना रविवार की सुबह करीब 11.39 बजे मिली। उन्होंने बताया कि आग कथित तौर पर सात मंजिला व्यावसायिक इमारत की दूसरी मंजिल से लगी थी। घटनास्थल से प्राप्त तस्वीरों में आग की लपटों से घना काला धुआं उठता हुआ दिखाई दे रहा है, जिसे दमकल कर्मियों ने लगभग बुझा दिया है।

एमएफबी, पुलिस, बेस्ट, 108 एम्बुलेंस और वार्ड स्टाफ के कर्मचारी मौके पर मौजूद थे और रिपोर्ट दर्ज होने के समय आग बुझाने के काम में लगे हुए थे।

कभी थे घोर विरोधी, अब फडणवीस सरकार में साथ-साथ मंत्री बनीं पंकजा और धनंजय

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के मंत्रिमंडल का पहला विस्तार रविवार को हुआ। इस कैबिनेट में युवा और वरिष्ठता का संतुलन बनाया गया है। साथ ही सभी जाति और धर्म के लोगों को मौका दिया गया है। इस कैबिनेट में भाई-बहन कैबिनेट मंत्री बने हैं। ये भाई-बहन एक समय में एक-दूसरे के कट्टर राजनीतिक विरोधी थे। उन्होंने राजनीति में एक-दूसरे को मात देने का कोई मौका नहीं छोड़ा, लेकिन अब वे दोनों नेता महागठबंधन के दो दलों से कैबिनेट मंत्री बन गए। इन दो नेताओं में एक का नाम पंकजा मुंडे हैं जबकि दूसरे का नाम धनंजय मुंडे है।

2014 और 2019 के विधानसभा चुनाव के दौरान परली में मुकाबला काफी चर्चा में रहा था। उस वक्त ये मुकाबला बहन-भाई धनंजय मुंडे और पंकजा मुंडे के बीच हुआ था। 2014 में बीजेपी की पंकजा मुंडे ने जीत हासिल की थी, लेकिन अगले पांच साल में धनंजय मुंडे ने इस हार का बदला लिया और 2019 का चुनाव जीत लिया।

कई बार गिले सिकवे भुलाने की पूरी कोशिश हुई

पंकजा मुंडे और धनंजय मुंडे ने कई बार अपने गिले-सिकवे भुलाने की पूरी कोशिश की। अंततः दोनों परली वैद्यनाथ शुगर फैक्ट्री के चुनाव में एक साथ आए। इन दोनों नेताओं ने किसानों के हित के लिए संचालक मंडल के चुनाव में दोस्ती का परिचय दिया। इसके बाद अजित पवार ने एनसीपी में बगावत कर दी। वे महायुति में आ गए। उनके साथ धनंजय मुंडे भी महायुति में शामिल हो गए। इससे बीजेपी की पंकजा मुंडे और एनसीपी के धनंजय मुंडे के बीच भाई-बहन के रिश्ते और भी बेहतर होने लगे। धनंजय मुंडे एकनाथ शिंदे सरकार में भी मंत्री थे और कृषि विभाग का जिम्मा संभाल रहे थे। लोकसभा चुनाव में धनंजय मुंडे ने बीड लोकसभा सीट पर पंकजा को जीत दिलाने की पूरी कोशिश की, लेकिन वो हार गईं। इसके बाद पार्टी ने उन्हें विधान परिषद से विधायक बनाया। इसके बाद विधानसभा चुनाव हुए तो उसमें धनंजय मुंडे जीत कर विधानसभा पहुंचे और अब पार्टी ने उन्हें मंत्री बना दिया है।

सरकार गठन के 10 दिन बाद कैबिनेट विस्तार

महाराष्ट्र में नई सरकार का गठन 5 दिसंबर को ही हो गया था। बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस को राज्य की कमान मिली है। वहीं, पिछली सरकार में सीएम रहे एकनाथ शिंदे इस बार डिप्टी सीएम की भूमिका में हैं। वहीं, अजित पवार पहले की ही तरह डिप्टी सीएम हैं। फडणवीस सरकार के कैबिनेट विस्तार में 39 नेताओं को मंत्री बनाया गया है। इसमें बीजेपी के 19, शिवसेना के 11 और एनसीपी के 9 मंत्री शामिल हैं।

कैबिनेट में संतुलन की पूरी कोशिश

पिछले महीने संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में महायुति की बंपर जीत मिली। 132 सीटों पर जीत के साथ बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनी। वहीं, सहयोगी शिंदे गुट की शिवसेना को 57 और अजित पवार गुट की एनसीपी को 41 सीटें मिलीं।

कैबिनेट विस्तार में संतुलन बनाने की पूरी कोशिश की गई है। बीजेपी ने सबसे ज्यादा सीटों पर जीत हासिल की है, इसलिए उसके कोटे के मंत्री ज्यादा हैं। एक तरह से कह सकते हैं कि जिसको जितनी सीटें आई हैं उसी के हिसाब से कैबिनेट का विस्तार भी किया गया है।

सिर्फ ढाई साल के लिए बनाएंगे मंत्री : अजित पवार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एपी) के अध्यक्ष अजीत पवार ने मुंबई में कहा कि उनकी पार्टी ने मंत्रियों के लिए सिर्फ ढाई साल का कार्यकाल तय किया है।

ढाई साल बाद जिन विधायकों को अबकी बार मंत्री समूह में जाने का अवसर नहीं मिलेगा, उन्हें मंत्री बनने का मौका मिलेगा। अजीत पवार ने कहा कि बहुत जल्द महामंडलों के अध्यक्ष पद पर विधायकों को नियुक्त किया जाएगा।

अजीत पवार रविवार को राकांपा एपी की ओर से आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मंत्री समूह का विस्तार शनिवार को ही मुंबई में आयोजित किया जाने वाला था। इसी वजह से मुंबई में रविवार को कार्यकर्ता सम्मेलन

आयोजित किया गया था लेकिन आज नागपुर में आयोजित मंत्री समूह का विस्तार हो रहा है। इस विस्तार में राकांपा एपी को 9 मंत्री पद मिले हैं जबकि राकांपा एपी में मंत्री पद इच्छा कई अन्य विधायकों को भी है। इसी वजह से हमने तय किया है कि आज शपथ लेने मंत्री ढाई साल बाद इस्तीफा दे देंगे। इसके बाद अन्य विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी।

अजीत पवार ने कहा कि मंत्री समूह के विस्तार के बाद राकांपा एपी प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले और शिंदे समूह के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे के साथ बैठकर महामंडल के अध्यक्षों की भी नियुक्ति की जाएगी।

अजीत पवार ने कहा कि पिछले तीन साल से सूबे में नगरनिगम के चुनाव नहीं हुए हैं। बहुत जल्द राज्य में नगर निगम के चुनाव करवाए जाएंगे इसलिए कार्यकर्ताओं को चुनाव के लिए तैयार रहना है और अपने उम्मीदवार को विजयी बनाना है।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी को लोकसभा से ज्यादा लाभ विधानसभा में हुआ है, यह कार्यकर्ताओं की ही मेहनत से संभव हो सका है। अजीत पवार ने कार्यकर्ताओं को नगर निगम चुनाव के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है।

मंत्री पद न मिलने से नाराज विधायक नरेंद्र भोंडेकर ने दिया इस्तीफा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस सरकार में मंत्री पद नहीं मिलने से नाराज शिवसेना शिंदे समूह के भंडारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक नरेंद्र भोंडेकर ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। नरेंद्र भोंडेकर ने बताया कि उन्हें मंत्री पद देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया गया।

जानकारी के अनुसार नरेंद्र भोंडेकर को शिवसेना शिंदे समूह पार्टी में उपनेता और विदर्भ समन्वयक पद दिया गया था। मंत्री पद न मिलने से नाराज भोंडेकर ने इन दोनों पदों से इस्तीफा दे दिया है। नरेंद्र भोंडेकर ने विधानसभा चुनाव 2019 में निर्दलीय उम्मीदवार

के रूप में चुनाव लड़कर भाजपा के अरविंद भालधरे को हराकर 23,677 वोटों से जीत हासिल की थी। शिवसेना के विभाजित होने के बाद भोंडेकर ने तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को समर्थन दिया था। 2024 में हुए विधानसभा चुनाव में शिवसेना शिंदे समूह के टिकट पर चुनाव लड़कर नरेंद्र भोंडेकर ने कांग्रेस की पूजा थावकर को हराया था।

मंत्री बने आशीष शेलार, BCCI कोषाध्यक्ष का पद खाली होना तय

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता आशीष शेलार के रविवार को देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) में कोषाध्यक्ष का पद खाली होना तय है। अक्टूबर 2022 में बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष का पद संभालने वाले शेलार ने पिछले महीने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में वांद्रे पश्चिम सीट जीतने के बाद नागपुर में कैबिनेट मंत्रियों में से एक के रूप में शपथ ली। उच्चतम न्यायालय ने 2016 में लोढ़ा समिति की सिफारिशों को लागू करते हुए फैसला सुनाया था कि कोई भी मंत्री और लोक सेवक बीसीसीआई का सदस्य नहीं बन सकता।

हालांकि शीर्ष अदालत ने सितंबर 2022 में बीसीसीआई को अपने संविधान में संशोधन करने की अनुमति दी थी जिसने विधायकों के लिए बोर्ड में पदाधिकारी बनने का रास्ता साफ कर दिया था।इसके बाद शेलार उसी साल अक्टूबर में बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष बने थे। शेलार मौजूदा समिति के दूसरे अधिकारी हैं जो अपने पद से हटे हैं।

इससे पहले जय शाह को देना पड़ा था इस्तीफा

इससे पहले जय शाह बीसीसीआई सचिव के पद से हटकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन बने थे। शाह ने आईसीसी में अपना कार्यकाल एक दिसंबर को शुरू किया था जबकि बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने नौ दिसंबर को संयुक्त सचिव देवजीत सैकिया को बोर्ड का अंतरिम सचिव नियुक्त किया था। पहले बताया गया था कि सैकिया सितंबर 2025 तक बीसीसीआई के अंतरिम सचिव के रूप में अपनी नई भूमिका में बने रहेंगे। उसके बाद यह पद स्थायी रूप से भर दिया जाएगा।

महाराष्ट्र कैबिनेट का हुआ विस्तार

बता दें कि मुख्यमंत्री और उपमुख्मयंत्री के शपथ ग्रहण के बाद रविवार को महाराष्ट्र कैबिनेट का विस्तार भी हो गया। नागपुर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में रविवार को 39 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इसमें 33 ने कैबिनेट मंत्री तो 6 विधायकों ने राज्यमंत्री पद की शपथ ली। प्रदेश भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने नागपुर में आयोजित समारोह में मंत्री पद की शपथ ली।

MVA विधानसभा शीतकालीन सत्र से पहले 'चाय पार्टी' का करेगी बहिष्कार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा का 16 दिसंबर को शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है, लेकिन महाराष्ट्र की विपक्षी पार्टियों के गठबंधन महाविकास अघाड़ी (एमवीए) से सत्र से पहले चाय पार्टी का बहिष्कार करने की घोषणा की। एमवीए ने रविवार को महंगाई, नौकरी, किसानों की दुर्दशा और एक सरपंच की हत्या को लेकर महाराष्ट्र की महायुति सरकार की आलोचना की। शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी) और कांग्रेस के नेताओं ने रविवार को रवि भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर फडणवीस सरकार पर निशाना साधा।विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने सरकार की ओर से मात्र छह दिनों का सत्र बुलाने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार सिर्फ छह दिनों का सत्र आयोजित कर नाटक कर रही है, जबकि पहले नागपुर सत्र तीन सप्ताह से एक महीने के बीच होता था।

महायुति सरकार पर लगाए ये आरोप

उन्होंने आरोप लगाया कि परभणी में एक युवक की हिरासत में मौत और बीड जिले में एक सरपंच की हत्या और के लिए सरकार जिम्मेदार है। दानवे ने कहा कि उन लोगों को चाय पार्टी में शामिल होने का निमंत्रण मिला है, लेकिन उन लोगों के लिए दलितों पर अत्याचार करने वाली और किसान विरोधी सरकार के कार्यक्रम में शामिल होना संभल नहीं है। इस कारण से ही एमवीए ने इसका बहिष्कार करने निर्णय किया है।

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने पूछा कि नागपुर को कवर करने वाले विदर्भ क्षेत्र से संबंधित मुद्दों को इतने छोटे सत्र में कैसे संबोधित किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से खराब हो गई है। उन्होंने दावा किया कि सरकार इन मुद्दों को हल करने में दिलचस्पी नहीं ले रही है। इसलिए एमवीए ने चाय पार्टी का बहिष्कार करने का फैसला किया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने 'लड़की बहन' कार्यक्रम के तहत पात्र महिलाओं को दी जाने वाली मासिक वित्तीय सहायता 2,100 रुपये करने की मांग की।

जनता से जुड़े मुद्दे उठाएंगे

दानवे ने बताया कि 16 दिसंबर से 21 दिसंबर तक चलने वाले शीतकालीन सत्र चलेगा, लेकिन इस दौरान प्रश्नोत्तर और ध्यानाकर्षण प्रस्ताव नहीं होगा। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा में विपक्षी पार्टियों के विधायकों की संख्या भले ही कम हो, लेकिन वे जनता से जुड़े मुद्दे को विधानसभा में उठाएंगे।उन्होंने दावा किया कि यह सरकार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की मदद बनाई गई है। उन्होंने कहा कि मालशिरस विधानसभा क्षेत्र के मरकडवाड़ी गांव के लोगों पर मतपत्रों का उपयोग करके नकली पुनर्मतदान कराने की योजना बनाने के लिए मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि यह सरकार सोयाबीन और कपास उत्पादकों की अवहेलना कर रही है और उनकी उपज के लिए उचित कीमत नहीं दे रही है।

दादर रेलवे स्टेशन का हनुमान मंदिर नहीं टूटेगा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई में दादर रेलवे स्टेशन परिसर बने हनुमान मंदिर को हटाने का नोटिस रेलवे प्रशासन ने वापिस ले लिया है। मंदिर को करीब 10 दिन पहले रेलवे द्वारा नोटिस दिए जाने का खुलासा पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को किया था। शनिवार को यह मामला तूल पकड़ने लगा। जिसके बाद रेल प्रशासन ने विज्ञप्ति जारी करके मंदिर के खिलाफ प्रस्तावित कार्रवाई को स्थगित करने की बात कही।

दादर रेलवे स्टेशन परिसर में बने एक 80 साल पुराने हनुमान मंदिर को हटाने के लिए रेल प्रशासन ने हाल ही में नोटिस जारी किया था। पूर्व मुख्यमंत्री तथा शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे ने बीते शुक्रवार को अपने निवास मातोश्री पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंदिर को रेलवे की नोटिस को जरिया बनाकर हिंदुत्व समर्थक बीजेपी और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया था।

मंदिर पर सिडको की नजर

उद्धव ठाकरे ने रेलवे स्टेशन परिसर में बने हनुमान भगवान के करीब 8 दशक पुराने मंदिर को मध्य रेलवे द्वारा हटाने के लिए दिए गए नोटिस का मुद्दा उठाया तो वहीं नई मुंबई स्थित एक मंदिर पर सिडको की नजर होने का आरोप भी लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिरकार सिडको मंदिर की जमीन आखिरकार किसे देना चाहती? शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) के सांसद व प्रवक्ता संजय राउत ने बीजेपी, केंद्र सरकार और रेल प्रशासन को चुनौती देते हुए कह दिया था कि हिम्मत है तो मंदिर के खिलाफ कार्रवाई करके दिखाएं। मामला तूल पकड़ने लगा तो बीजेपी भी मंदिर बचाने के लिए कूद पड़ी।

पूजा करने पहुंचे बीजेपी विधायक

भाजपा विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा ने शनिवार को दादर-पूर्व में प्लेटफार्म नंबर 12 के पास स्थित हनुमान मंदिर का दौरा किया। उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना की और भक्तों से बातचीत के दौरान बताया कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से हमारी बात हुई है और मेरे पास इस कार्रवाई को रोकने का आदेश भी है। इस मौके पर विधायक कालिदास कोलंबकर सहित बड़ी संख्या में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

अब कपूर खानदान में शामिल मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस भी जगह जाते हैं उससे उनका नाता जुड़ जाता है। चाहे वह कोई राज्य हो या कोई शहर-कस्बा। जिस व्यक्ति से मिलते हैं उनके परिवार का हिस्सा बन जाते हैं । अब वे जिस नये कुटुम्ब का हिस्सा बन गये हैं वह है भारत का प्रथम सिनेमाई परिवार यानी 'कपूर खानदान'। अविभाजित पाकिस्तान के पेशावर से चलकर मुम्बई आये महान अभिनेता पृथ्वीराज कपूर ने हिन्दी सिनेमा को न केवल अपनी अदाकारी से समृद्ध किया, बल्कि होनहार कलाकारों की एक पीढ़ी अपने ही परिवार में तैयार कर भारतीय सिनेमा को सौंपी, जिसमें उनके तीनों पुत्र थे। शम्मी कपूर और शशि कपूर के अतिरिक्त शो मैन कहलाने वाले राजकपूर इसी परिवार की देन हैं। करोड़ों भारतीयों का 8 दशकों से मनोरंजन कपूर खानदान कर रहा है। अपनी अनेक फिल्मों में 'राजू' का नाम लेकर रूपहले पर्दे पर अवतरित होने वाले राज कपूर ने अपनी बेहतरीन पटकथाओं वाली फिल्में अभिनीत व निर्देशित कीं जिनमें भारतीय समाज के सुख-दुख के अलावा उसके सपनों के बनने और बिगड़ने को फिल्माया था। उन्होंने फिल्मों को खालिस मनोरंजन के माध्यम से बाहर निकालकर सामाजिक परिवर्तन का जरिया बनाया था। उन्हीं राज साहब की जन्म शताब्दी पर कपूर खानदान मुम्बई में एक कार्यक्रम कर रहा है; और पूरा परिवार पीएम को बुधवार को आमंत्रित करने दिल्ली गया था। जब राज कपूर के पोते रणबीर कपूर (ऋ षि कपूर के बेटे) ने मोदी से कहा कि 'आने के पहले उनके परिवार के बीच इस बात को लेकर विमर्श होता रहा कि उन्हें क्या कहकर सम्बोन्धित करना होगा- 'मिस्टर प्राइम मिनिस्टर' या 'प्रधानमंत्री जी'... या कुछ और?'इस पर अपनत्व दिखाते हुए मोदी ने पूरी विनम्रता के साथ कहा कि 'मैं इसी परिवार का हिस्सा हूं और आप मुझे कैसे भी सम्बोधित कर सकते हैं।' देश के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा प्राप्त स्नेह से गदगद राज कपूर की पुत्री रीमा ने पीएम को धन्यवाद तो दिया ही, स्वयं इस परिवार से आमंत्रण पाकर व उससे जुड़कर मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर न केवल राजकपूर के जयंती समारोह की जानकारी साझा की बल्कि इस मुलाकात के हाईलाइट्स यानी झलकियां दिखाने वाली कई तस्वीरें भी डाली हैं।

देश के लब्ध प्रतिष्ठित किसी खानदान द्वारा राष्ट्राध्यक्ष को बुलाना अजूबा नहीं, न ही किसी के द्वारा इस प्रकार की मुलाकातों से देश-दुनिया को अवगत कराना बेजा बात है। यह दीगर बात है कि सोशल मीडिया पर कई विघ्नसंतोषी इस मुलाकात एवं मोदी की भावाभिव्यक्ति की यह कहकर खिल्ली उड़ा रहे हैं कि 'उनके पास मणिपुर जाने का समय नहीं है लेकिन कपूर खानदान से मिलने का भरपूर वक्त है', या फिर 'क्या मणिपुर के पीड़ित उनके परिवार का हिस्सा नहीं हैं?' हद तो तब कर दी गयी जब कुछ लोगों ने कहा कि 'अनेक कलाकारों के साथ सबसे बड़ा अभिनेता।' खैर! वैसे मोदी में यह अच्छी बात है कि वे ऐसी आलोचनाओं की परवाह न करते हुए समझदारी के साथ अपना परिवार चुनते रहते हैं या शामिल होते हैं। कभी कई बच्चों वाला अब्बास भी उनके परिवार का हिस्सा बन जाता है तो कभी महिला पहलवान उनके परिवार की सदस्य हो जाती हैं। यह अलग बात है कि वही अब्बास चुनाव के वक्त खलनायक बन जाता है जिसके समुदाय के लोगों की ओर संकेत कर मोदी लोगों को चेतावनी देते हैं कि 'यदि कांग्रेस आई तो मंगलसूत्र और भैंसें उन्हें दे दी जायेंगी।' ऐसे ही, धरना-प्रदर्शन करते ही महिला पहलवान उनके परिवार से बाहर कर दी जाती हैं।' कई विरोधाभासों की तरह यह नई जुड़ी नातेदारी भी बेहद विसंगतिपूर्ण है क्योंकि राज कपूर ने अपनी फिल्मों में मानवीय मूल्यों को आगे बढ़ाया है तथा समाज में व्याप्त अन्याय, गैरबराबरी तथा आम आदमी की दुश्वारियों का प्रस्तुतीकरण किया है। इसके विपरीत मोदी के विचार और उनके शासन काल में भारत एक बेहद असंवेदनशील समाज में परिवर्तित हो गया है। कपूर खानदान मे मोदी इसलिये शामिल हो चले हैं क्योंकि वह उस ग्लैमरस दुनिया का हिस्सा है जिसके मोदी हमेशा से मुरीद रहे हैं, फिर वह चाहे कलाकारों की दुनिया हो या अमीर व सफल खिलाड़ी अथवा कारोबारी व उद्योगपति।

हरियाणा में नशा विरोधी रणनीतियों को नई धार

ओ.पी. सिंह

भारत नशाखोरी की महामारी की चपेट में है, जिसका असर न केवल व्यक्तिगत जीवन बल्कि यह राष्ट्र की सामाजिक और आर्थिक नींव को भी खतरे में डालता है। यह त्रासदी परिवारों, समुदायों और जनस्वास्थ्य प्रणाली तक में व्याप्त है, जिसके लिए तत्काल और नूतन समाधान की आवश्यकता है। हालांकि कानून लागू करने वाले विभागों ने आपूर्ति शृंखला पर अंकुश लगाने में काफी प्रगति की है, लेकिन इसकी मांग को जड़ से खत्म करने संबंधी उपाय एक कठिन चुनौती बने हुए हैं। इस जंग में, प्रभावी संचार एवं जागरूकता मुहिम अपरिहार्य हैं। लेकिन पारंपरिक ढंग जैसे व्याख्यान और डर पैदा करने वाले संदेश, अपना असर करने में विफल रहे हैं विशेष रूप से युवाओं में, जो मादक द्रव्यों के सेवन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं।

हरियाणा ने परिवर्तनकारी नशा विरोधी संचार मॉडल में पहलकदमी की है। जो कि पुराने तौर-तरीकों से जुदा है। सांस्कृतिक प्रासंगिकता में निहित, व्यवहार विज्ञान से सीखते हुए और प्रौद्योगिकी द्वारा संवर्धित, यह समग्र रणनीति न केवल नशीली दवाओं के उपयोग के खिलाफ चेताती है बल्कि लोगों को सूझबूझ पूर्ण निर्णय लेने और लचीलापन विकसित करने हेतु सशक्त भी बनाती है। हरियाणा का यह तरीका मिसाल है कि कैसे नवीन उपाय और जन-केंद्रित रणनीति स्थायी असर पैदा कर सकती है।

पारंपरिक नशा विरोधी प्रचार अक्सर एकतरफा संचार पर निर्भर रहते हैं, जिसमें नशीली दवाओं के उपयोग करने के खतरों पर जोर देना या कड़ी चेतावनी जारी करना शामिल हैं। नेक इरादे से किए जाने के बावजूद, ये ढंग शायद ही कभी मादक द्रव्यों के सेवन के गहन कारक जैसे कि साथियों का दबाव, तनाव, भावनात्मक अलगाव और दूसरों से होड़ के कारण बनने वाली मानसिक स्थिति को छूते हैं। इसीलिए युवाओं को ऐसे अभियान अक्सर उनकी वास्तविकताओं से कटे हुए महसूस होते हैं, जिससे उनकी प्रभावशीलता नगण्य हो जाती है।

इन कमियों को पहचानते हुए, हरियाणा ने लोगों को सार्थक रूप से जोड़ने के वास्ते, अपनी प्रचार रणनीति को नए सिरे से तैयार किया है और भय-आधारित संदेश देने के बजाय उनके अंदर अपने सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों से सहभागिता, सरोकार और सशक्तीकरण पैदा करने वाले बदलाव लाने का प्रयास किया है। जागरूकता बनाने और इसको मूर्त रूप देने के बीच की खाई को पाटने में यह आमूल-चूल बदलाव महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

हरियाणा के इस अभिनव दृष्टिकोण के केंद्र में 'चक्रव्यूह' नामक कार्यक्रम है, जोकि इस विषय में शिक्षित करने के ढंग में परिवर्तन है, यह प्रतिभागियों में रुचि जगाकर, उन्हें जीवन जीने और नशों से दूर रहने की अभिनव कला सिखाता है। इसमें प्रतिभागी टीम में काम करते हुए असली जिंदगी जैसी समस्याओं को सुलझाने, कठिनाई जनित जिन चुनौतियों को हल करने में युक्तिपूर्ण विचार की जरूरत होती है, वह क्षमता पैदा करती है। साथ ही नैतिकतापूर्ण निर्णय लेना और सबके साथ मिलकर काम करने की भावना। इस किस्म के परस्पर औपचारिक और वैचारिक आदान-प्रदान का प्रभाव केवल भय बनाकर नशे से तौबा करने वाले ढंग से कहीं असरदायक है। यह भागीदार को अनिवार्य कौशल जैसे कि लचीलापन, एकाग्रता और सहभागिता से युक्त करता है, जो साथियों के दबावों को नकारने और सकारात्मक विकल्प बनाने में अहम है। रिवायती भाषणबाजी की तरह न होकर-जिससे कोई जुड़ाव महसूस नहीं करता- हरियाणा का 'चक्रव्यूह' नामक यह कार्यक्रम प्रेरक उपायों को यादगार एवं प्रभावशाली अनुभव बनाता है। प्रशिक्षित प्रतिभागी उस समझ एवं व्यावहारिक ज्ञान के साथ निकलते हैं, जिनका उपयोग वे अपनी रोजाना की जिंदगी में कर सकेंगे। हरियाणा ने 'चक्रव्यूह' की पहुंच व्यापक बनाने के लिए इसे डिजिटल प्रारूप में ढाला है। हैकाथॉन के माध्यम से डेवलपर्स के साथ सहयोग करते हुए, सरकार ने 'एस्केप रूम' अनुभव की तर्ज पर एक मोबाइल गेम बनाया है। खेल-खेल में दृष्टिकोण पैदा करने वाला यह तरीका युवाओं के बीच डिजिटल मंचों की लोकप्रियता को भुनाता है जिससे नशा-विरोधी अभियान आकर्षक और सुलभ बन जाता है। यह तकनीकी नूतन प्रयोग शहरी-ग्रामीण अंतर को पाटने में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। वंचित क्षेत्रों में इंटरेक्टिव सामग्री प्रदान करते हुए, यह डिजिटल पहल समावेशिता सुनिश्चित करती है। इसके अतिरिक्त, यह निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए भी राह खोलता है, जिससे आगे नवाचार और इसके विस्तार को बढ़ावा मिलेगा। हरियाणा के यह मॉडल सांस्कृतिक-आध्यात्मिक तत्वों को शामिल करते हुए लोगों को जोड़ता है। इसके तहत बेहतरीन पहल है 'राम गुरुकुल गमन' जो कि भगवान राम के वनवास की कहानी से प्रेरित संगीत-रूपक है। इसका कथानक जीवन की कठिनाइयों पर काबू पाने में लचीलेपन और साहस का एक उदाहरण है, जो संदेश देता है : 'चुनौतियां आयेंगी ही, लेकिन उनका सामना शक्ति व दृढ़ संकल्प से किया जा सकता है'।

अन्य राज्य हरियाणा के इस मॉडल से प्रेरणा लेकर, अपनी रणनीतियां अलहदा परिवेश के संदर्भों में ढाल सकते हैं। वे व्यक्तियों और समुदायों को स्वस्थ विकल्प चुनने को सशक्त कर सकते हैं, ताकि नशा मुक्त समाज को बढ़ावा मिले। आगे की राह चुनौतीपूर्ण हो सकती है, लेकिन हरियाणा का उदाहरण दर्शाता है कि प्रगति संभव है।

जीवन मंत्र **जे कृष्णमूर्ति**

ऊब की जड़ों को खोजिए

यदि आप यह जान सकें कि आप क्यों ऊब गए हैं, तो निस्संदेह आप समस्या का हल कर लेंगे। है न? तब जागी हुई अभिरुचि कार्य करने लगेगी।

यदि आप ऊब गए हैं, तो उसका कारण क्या है? वह है क्या, जिसको हम ऊब कहते हैं? ऐसा क्यों है कि आपकी किसी भी चीज में रुचि नहीं है? कुछ कारण अवश्य होने चाहिए, जिन्होंने आपको मंद बना दिया है। यदि आप यह जान सकें कि आप क्यों ऊब गए हैं, तो निस्संदेह आप समस्या का हल कर लेंगे। है न? तब जागी हुई अभिरुचि कार्य करने लगेगी। हम अंदर से, मानसिक तौर पर पता लगा सकते हैं कि हम क्यों इतनी अधिक ऊब की अवस्था में हैं। हम यह भी देख सकते हैं कि हममें से अधिकांश क्यों इस हालत में हैं; हमने अपने को भावनात्मक रूप से और दिमागी तौर पर भी थकाकर निढाल कर लिया है; हमने इतनी सारी चीजों, अनुभूतियों, मनोरंजनों, प्रयोगों को आजमाया है कि हम जड़, क्लांत हो चुके हैं। यदि हम एक मनोवैज्ञानिक से असंतुष्ट हो जाते हैं, तो किसी दूसरे के पास या फिर किसी धर्मगुरु के पास चले जाते हैं; यदि वहां असफल होते हैं, तो किसी तीसरे आचार्य के पास और इसी प्रकार क्रम चलता रहता है। हम हमेशा दर-दर भटकते रहते हैं। लगातार खुद को तानने और फिर छोड़ देने की यह प्रक्रिया निढाल करने वाली होती है। क्या नहीं होती? दूसरी सभी उत्तेजनाओं की तरह यह

शीघ्र ही मन को जड़ बना देती है। हमने यही किया है। एक संवेदन से दूसरे संवेदन की ओर; एक उत्तेजना से दूसरी उत्तेजना की ओर तब तक भागते जाना, जब तक कि थककर हम निढाल न हो जाएं। तो, अब इसका एहसास होने पर आप और आगे न जाएं, कुछ विश्राम करें। शांत हों और मन को स्वयं अपने से शक्ति प्राप्त करने दें, उसे बाध्य न करें।

जैसे पृथ्वी पुनः अपने को नूतन कर लेती है, उसी प्रकार जब मन को शांत होने दिया जाता है, तो वह अपने को नूतन कर लेता है। परंतु मन को शांत होने देना और इस सबके बाद उसे रिक्त रहने देना बड़ा दुष्कर है, क्योंकि मन हर समय कुछ-न-कुछ करते रहना चाहता है। याद रखिए, समस्या तभी है, जब आप किसी स्थिति को जैसी वह है, वैसी आप स्वीकार नहीं करते और उसे बदलना चाहते हैं। इसका यह मतलब नहीं कि मैं संतोष करके बैठने की वकालत कर रहा हूं, बात इसके उलट है।

यदि हम जो हैं, उसे स्वीकार कर लें, तो देखेंगे कि वह बात, जिससे हम भयभीत हैं; वह स्थिति, जिसे हम ऊब, निराशा या भय कहते हैं, वह पूरी तरह से बदल गई है! जिस स्थिति से हम भयभीत थे, उसका पूर्णतया परिवर्तन हो चुका है। अतः अपने सोच-विचार के तरीकों को, उनकी प्रक्रिया को समझना बड़ा महत्वपूर्ण है। स्वबोध किसी अन्य से, किसी पुस्तक, किसी मनोविश्लेषक द्वारा नहीं हो सकता। यह आपको स्वयं प्राप्त करना होगा।

जीवन ऊर्जा **जॉन सेल्डन : जन्म 16 दिसंबर 1584** **जन्म**

धैर्य हर ज्ञान की शुरुआत है

जॉन सेल्डन एक प्रख्यात अंग्रेजी न्यायविद, लेखक और विद्वान थे। उनका जन्म 16 दिसंबर 1584 को हुआ था और निधन 30 नवंबर 1654 को हुआ। वे कानून, इतिहास और धर्म के क्षेत्र में अपने अद्भुत योगदान के लिए जाने जाते हैं। उनकी रचनाएं आज भी प्रेरणादायक और मूल्यवान मानी जाती हैं।

कानून की अज्ञानता किसी को माफ़ नहीं करती। बुद्धिमान लोग कहावतें बनाते हैं, लेकिन मूर्ख उन्हें दोहराते हैं। संसार का संचालन शब्दों से होता है। आनंद केवल दुःख का विराम है। पुराने दोस्त सबसे अच्छे होते हैं। आलस्य सबसे बड़ी बर्बादी है। कानून का अधिकार वहां समाप्त नहीं होता जहां तर्क समाप्त होता है, बल्कि जहां तर्क सिद्ध हो चुका होता है। किताबें सबसे अच्छे साथी हैं। सामान्य समझ वकील से बेहतर मार्गदर्शन करती है। एक सैनिक हर जगह एक जैसा होता है। अज्ञानता भक्ति की जननी है। जो लोग कानून की उपेक्षा करते हैं, उन्हें न्यायोचित

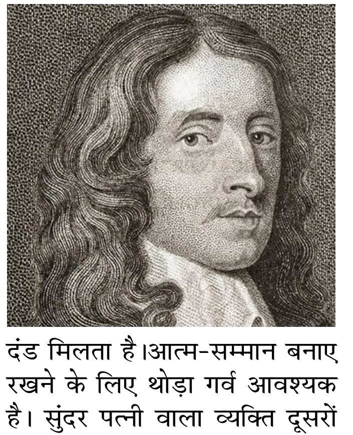

दंड मिलता है ।आत्म-सम्मान बनाए रखने के लिए थोड़ा गर्व आवश्यक है। सुंदर पत्नी वाला व्यक्ति दूसरों को खुश लगता है; असली खुशी वही उसे बनाए रखती है। इस दुनिया में इंसान का पहला काम रोना और आखिरी काम आह भरना होता है। सफलता को ऊंचाई से नहीं, बल्कि पार की गई बाधाओं से मापा जाता है। सबसे बड़ी जीत खुद पर विजय पाना है। ज्ञान वह पंख है जिससे हम स्वर्ग तक उड़ सकते हैं। धैर्य हर ज्ञान की शुरुआत है।

सत्य एक छोटे और निश्चित दायरे में होता है, लेकिन भूल अपार होती है। एक अच्छी किताब एक महान आत्मा का अमूल्य जीवन है। सच्ची स्वतंत्रता को समझने से पाया जा सकता है। कानून मकड़ी के जाले जैसे हैं, जो छोटे कीटों को फंसा लेते हैं लेकिन ततैया और भौंरों को छोड़ देते हैं। परिश्रम ही सौभाग्य की जननी है। हर व्यक्ति स्वयं का सबसे बड़ा शत्रु है।

सक्सेस मंत्र

सफलता हासिल करने के लिए इन नियमों का करें पालन

किसी भी व्यक्ति को कामयाबी यूं ही हासिल नहीं हो जाती है। सफलता हासिल करने के लिए व्यक्ति को जीवन में कुछ जरूरी नियमों का पालन करना पड़ता है। सफलता के इन नियमों को अपनी आदत बना लेने पर व्यक्ति कामयाबी की ऊंचाइयों को आसानी से छू सकता है। अगर आप किसी काम में सफलता हासिल करना चाहते हैं तो सबसे पहले समय की कद्र करना सीखें। किसी काम को करते समय आपका लेटलतीफी वाला रवैया आपकी कामयाबी की राह को मुश्किल बना देता है। ऐसे में सफलता हासिल करने के लिए हमेशा समय के पाबंद रहना सीखें। जीवन में सफल होने का एकमात्र सूत्र आत्मविश्वास है। इस बात को गांठ बांध लें कि जब तक कोई व्यक्ति खुद से कोई काम नहीं करता, उसे खुद पर विश्वास नहीं होगा। हर व्यक्ति को कामयाबी हासिल करने के लिए सबसे पहले खुद पर आत्मविश्वास होना चाहिए। खुद को कभी भी किसी से कम न समझें। अगर आपका खुद पर अटूट विश्वास हैं, तो आप किसी भी काम को आसानी से कर सकते हैं। जीवन में अपने सभी बड़े फैसलों के लिए दूसरों पर निर्भर रहने की जगह अपने विवेक का इस्तेमाल करें। वरना न चाहते हुए भी आपके जीवन के सभी फैसलों की बागडोर दूसरों के हाथों में चली जाएंगी। जिससे आप मनचाही उपलब्धियां हासिल नहीं कर पाएंगे और जीवन में निराशा बढ़ने लगेगी। अपनी गलतियों को स्वीकारते हुए लक्ष्य को ओर आगे बढ़ते रहना ही असल कामयाबी की ओर कदम बढ़ना है। गलतियों को समझने से नई सीख मिलती है ताकि दोबारा उस गलती को करने से बचा जा सके।

शख्सियत **वुप्पुलुरी गणपति शास्त्री**

विद्या और संस्कृति के प्रतीक

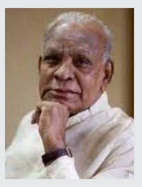

वुप्पुलुरी गणपति शास्त्री भारत के उन प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों में से एक हैं, जिन्होंने विद्या, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। वे एक विद्वान, लेखक और संस्कृतज्ञ के रूप में प्रसिद्ध हैं। उनकी विद्वता का प्रभाव न केवल भारतीय समाज पर पड़ा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी उनकी मान्यता है।

गणपति शास्त्री का जन्म 16 दिसंबर 1888 को आंध्र प्रदेश के एक संस्कारित ब्राह्मण परिवार में हुआ। उनके परिवार में शिक्षा और धर्म का विशेष महत्व था। शास्त्री जी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पारंपरिक गुरुकुल पद्धति से प्राप्त की और बाद में संस्कृत, दर्शनशास्त्र और साहित्य में उच्च शिक्षा प्राप्त की।

संस्कृत भाषा पर उनकी पकड़ अद्वितीय थी। उन्होंने कई प्राचीन ग्रंथों का संपादन और अनुवाद किया, जिनमें वेद, उपनिषद और पुराण शामिल हैं। उनकी लेखनी में भारतीय संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिकता का गहन प्रतिबिंब दिखाई देता है। उनके लेखन ने आधुनिक पीढ़ी को प्राचीन भारतीय ज्ञान और परंपराओं से जोड़ने का कार्य किया। गणपति शास्त्री को भाषाओं का अच्छा ज्ञान था और उन्होंने संस्कृत के साथ-साथ तेलुगु और अंग्रेजी में भी कई लेख और पुस्तकें लिखीं। उनका मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति और शिक्षा को पुनर्जीवित करना था। उन्होंने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए अनेक संस्थानों की स्थापना में भी योगदान दिया।

शास्त्री जी का जीवन सादगी और आध्यात्मिकता का उदाहरण था। उनके विचारों में भारतीय दर्शन का गहराई से समावेश था। वे मानते थे कि शिक्षा केवल जानकारी प्राप्त करने का साधन नहीं है, बल्कि आत्मा को शुद्ध करने और मानवता के कल्याण के लिए है। उनकी सेवाओं और योगदान के लिए उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। वुप्पुलुरी गणपति शास्त्री का निधन 17 जुलाई 1989 को हुआ। वे आज भी भारतीय संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणा के स्रोत बने हुए हैं। उनका जीवन और कार्य उन सभी के लिए एक आदर्श है, जो ज्ञान और आध्यात्मिकता के पथ पर चलना चाहते हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

सती अनसूया के सतित्व और ब्रह्मशक्ति की परीक्षा

एक बार नारद जी विचरण कर रहे थे तब तीनों देवियां मां लक्ष्मी, मां सरस्वती और मां पार्वती को परस्पर विमर्श करते देखा। तीनों देवियां अपने सतीत्व और पवित्रता की चर्चा कर रही थी। नारद जी उनके पास पहुंचे और उन्हें अत्रि महामुनि की पत्नी अनुसूया के असाधारण पातिव्रत्य के बारे में बताया। नारद जी बोले उनके समान पवित्र और पतिव्रता तीनों लोकों में नहीं है। तीनों देवियों को मन में अनुसूया के प्रति ईर्ष्या होने लगी। तीनों देवियों ने सती अनसूया के पातिव्रत्य को खंडित के लिए अपने पतियों को कहा तीनों ने उन्हें बहुत समझाया पर पर वे राजी नहीं हुई। इस विशेष आग्रह पर ब्रह्मा, विष्णु और महेश ने सती अनसूया के सतित्व और ब्रह्मशक्ति परखने की सोची। जब अत्रि ऋषि आश्रम से कहीं बाहर गए थे तब ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों ने यतियों का भेष धारण किया और अत्रि ऋषि के आश्रम में पहुंचे तथा भिक्षा मांगने लगे। अतिथि-सत्कार की परंपरा के चलते सती अनुसूया ने त्रिमूर्तियों का उचित रूप से स्वागत कर उन्हें खाने के लिए निमंत्रित किया।

लेकिन यतियों के भेष में त्रिमूर्तियों ने एक स्वर में कहा, 'हे साध्वी, हमारा एक नियम है कि जब तुम निर्वस्त्र होकर भोजन परोसोगी, तभी हम भोजन करेंगे।' अनसूया अस मंजस में पड़ गई कि इससे तो उनके पातिव्रत्य के खंडित होने का संकट है। उन्होंने मन ही मन ऋषि अत्रि का स्मरण किया। दिव्य शक्ति से उन्होंने जाना कि यह तो त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश हैं।

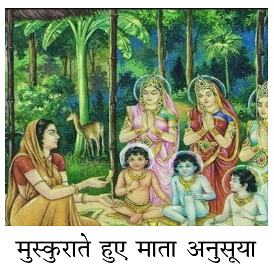

मुस्कुराते हुए माता अनुसूया बोली 'जैसी आपकी इच्छा'.... तीनों यतियों पर जल छिड़क कर उन्हें तीन प्यारे शिशुओं के रूप में बदल दिया। सुंदर शिशु देख कर माता अनुसूया के हृदय में मातृत्व भाव उमड़ पड़ा। शिशुओं को स्तनपान कराया, दूध-भात खिलाया, गोद में सुलाया। तीनों गहरी नींद में सो गए। अनसूया माता ने तीनों को झूले में सुलाकर कहा- 'तीनों लोकों पर शासन करने वाले त्रिमूर्ति मेरे शिशु बन गए, मेरे भाग्य को क्या कहा जाए। फिर वह मधुर कंठ से लोरी गाने लगी। उसी समय कहीं से एक सफेद बैल आश्रम में पहुंचा, एक विशाल गरुड़ पंख फड़फड़ाते हुए आश्रम पर उड़ने लगा और एक राजहंस कमल को चोंच में लिए हुए आया और आकर द्वार पर उतर गया। यह नजारा देखकर नारद, लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती आ पहुंचे।

नारद ने विनयपूर्वक अनसूया से कहा, 'माते, अपने पतियों से संबंधित प्राणियों को आपके द्वार पर देखकर यह तीनों देवियां यहां पर आ गई हैं। यह अपने पतियों को ढूंढ रही थी। इनके पतियों को कृपया इन्हें सौंप दीजिए।'

अनसूया ने तीनों देवियों को प्रणाम करके कहा, 'माताओं, झूलों में सोने वाले शिशु अगर आपके पति हैं तो इन्हें आप ले जा सकती हैं।' लेकिन जब तीनों देवियों ने तीनों शिशुओं को देखा तो एक समान लगने वाले तीनों शिशु गहरी निद्रा में सो रहे थे। इस पर लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती भ्रमित होने लगीं।

नारद ने उनकी स्थिति जानकर उनसे पूछा- 'आप क्या अपने पति को पहचान नहीं सकतीं? जल्दी से अपने-अपने पति को गोद में उठा लीजिए।'

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक
व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा
महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार “माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. ” के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

कब है अखुरथ संकष्टी चतुर्थी? जानें इस दिन क्या करें और क्या नहीं

हर महीने में एक बार संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। ये व्रत गणेश को समर्पित है। इस दिन विधिवत गणेश जी की उपासना होती है। इस साल की आखिरी संकष्टी चतुर्थी को अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के नाम से जाना जाएगा। अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन कुछ कार्यों की मनाई होती है। जानें, इस दिन क्या करना शुभ माना जाता है और क्या करने से बचना चाहिए-

कब है अखुरथ संकष्टी चतुर्थी:

पंचांग के अनुसार, पौष महीने की कृष्ण पक्ष की संकष्टी चतुर्थी तिथि की शुरुआत दिसम्बर 18, 2024 को 10 :06 ए एम बजे होगी। संकष्टी चतुर्थी तिथि की समाप्ति दिसम्बर 19, 2024 को 10 :02 ए एम बजे तक होगी। संकष्टी चतुर्थी की पूजा शाम में की जाती है। इसलिए दिसंबर की संकष्टी चतुर्थी का व्रत 18 दिसंबर को रखा जाएगा।

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन क्या करें-

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन क्या करें-अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन शुभ मुहूर्त में गणेश भगवान की पूजा करें। प्रभु को दूर्वा चढ़ाएं। तिल के लड्डू या मोदक का भोग लगाएं। इस दिन व्रत न रखा हो तो सात्विक भोजन करने की कोशिश करें। व्रत रखने से पूर्व व्रत रखने का संकल्प जरूर लें। व्रत के सभी नियमों का पालन करें। पारण सूर्योदय के पाश्चात्य करना उत्तम रहेगा। इस दिन भजन-कीर्तन भी किया जाता है।

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन क्या न करें?

मास-मदिरा- इस दिन मास-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दिन तामसिक भोजन का सेवन करने से भगवान गणेश नाराज हो सकते हैं।

तुलसी- मन्यताओं के अनुसार, तुलसी की पत्तियां भगवान गणेश को नहीं चढ़ाई जाती हैं। इसलिए भूलकर भी इस दिन तुलसी की पत्तियों को भगवान गणेश को अर्पित न करें।

काले वस्त्र- धर्मिक मान्यताओं के अनुसार, अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन काले रंग के कपड़े नहीं पहनने चाहिए। भगवान गणेश की कृपा दृष्टि बनाए रखने के लिए इस दिन पीले रंग के वस्त्र धारण करना अत्यंत शुभ रहेगा।

डिस्क्लेमर : इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं। विस्तृत और अधिक जानकारी के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

दिसंबर माह के आखिरी प्रदोष की तारीख, मुहूर्त और पूजाविधि के बारे में जानें

शनि प्रदोष व्रत क्यों रखा जाता है? जानें हिंदू धर्म में भगवान भोलेनाथ की पूजा-आराधना के लिए प्रदोष व्रत का दिन बेहद खास माना जाता है। प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत रखा जाता है। दृक पंचांग के अनुसार, साल 2024 का आखिरी प्रदोष व्रत 28 दिसंबर 2024, दिन शनिवार को पड़ेगा। शनिवार के दिन पड़ने के कारण इसे शनि प्रदोष व्रत कहा जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार खोया हुआ मान-सम्मान, राज्य और पद की प्राप्ति के लिए शनि प्रदोष व्रत रखा जाता है। इस दिन भगवान भोलेनाथ के साथ शनिदेव की पूजा करने का विशेष महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि शनि प्रदोष रखने से जातक की हर तरह की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। नौकरी में प्रमोशन मिलता है और संतान की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं साल 2024 के आखिरी प्रदोष व्रत की सही तिथि, शुभ मुहूर्त और पूजाविधि....

साल 2024 का आखिरी प्रदोष व्रत:

दृक पंचांग के अनुसार,पौष माह कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि का आरंभ 28 दिसंबर 2024 को सुबह 02 बजकर 26 मिनट पर होगा और अगले दिन 29 दिसंबर 2024 को सुबह 03 बजकर 32 मिनट पर समाप्त होगा। ऐसे में उदयातिथि के अनुसार, 28 दिसंबर 2024 को प्रदोष व्रत रखा जाएगा।

पूजा का शुभ मुहूर्त : प्रदोष व्रत में सायंकाल में प्रदोष काल पूजा का विशेष महत्व है। 28 दिसंबर 2024 को शनि प्रदोष व्रत के दिन शाम 05 बजकर 21 मिनट से लेकर रात 08 बजकर 06 मिनट तक प्रदोष काल पूजा का शुभ मुहूर्त बन रहा है।

पूजाविधि: प्रदोष व्रत के दिन सुबह जल्दी उठें। स्नानादि के बाद स्वच्छ कपड़े धारण करें। घर के मंदिर की साफ-सफाई करें। एक छोटी चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाकर शिव परिवार की प्रतिमा स्थापित करें। शिवलिंग पर जलाभिषेक करें। मंदिर में शिव परिवार की प्रतिमा के समक्ष दीपक जलाएं। शिव चालीसा का पाठ करें। भगवान शिव और माता पार्वती को फल,फूल, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें। अंत में उनकी आरती उतारें और पूजा समाप्त करें। प्रदोष व्रत के दिन सायंकाल पूजा का विशे, महत्व है। इसलिए शाम को अगर संभव हो, तो दोबारा स्नान करें और स्वच्छ कपड़े पहनें। शिवालय जाकर भोलेनाथ की पूजा करें या घर पर ही शिवलिंग पर दोबारा जल चढ़ाएं। भगवान भोलेनाथ को बिल्वपत्र, आक के फूल, धतूरा और फूल अर्पित करें। इसके बाद शिव-गौरी की आरती उतारें। पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं। अंत में पूजा के दौरान हुई गलती के लिए क्षमा-प्रार्थना मांगे और भगवान भोलेनाथ से सुखी जीवन की कामना करते हुए पूजा समाप्त करें।

साल 2025 में 74 दिन बजेगी शहनाई, जानें विवाह के शुभ मुहूर्त

खरमास पर शादी विवाह व अन्य मांगलिक कार्यों पर ब्रेक लग जाएगा। हिन्दू धर्म में शुभ मुहूर्त-तिथि का काफी महत्व है। कोई भी मांगलिक कार्य शुभ लग्न-मुहूर्त में ही होते हैं। अभी मांगलिक कार्य का समय चल रहा है। खरमास रविवार की रात से प्रवेश कर जाएगा। दरअसल, खरमास पर एक महीने के लिए शादी-विवाह समेत अन्य मांगलिक कार्य नहीं होंगे। इस कारण अब इस साल के बचे दो दिनों में भी कई शादियां होंगी। अब विवाह के लिए सिर्फ 13 व 14 दिसम्बर का ही शुभ मुहूर्त बचा है। पुरोहित पंकज कुमार पांडेय ने बताया कि खरमास इस बार 16 दिसंबर, सोमवार को सुबह 7:35 बजे से शुरू हो रहा है यानि अब एक माह तक कोई मांगलिक कार्य नहीं होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर सूर्य उत्तरायण हो जाएंगे। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश होने के साथ ही खरमास समाप्त होगा और शिशिर ऋतु आरंभ हो जाएगा । वैसे खरमास में पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और भगवान विष्णु की आराधना कर सकते हैं।

साल 2025 में 74 दिन शहनाई बजेगी

साल 2025 में 14 जनवरी को खरमास समाप्त होगा। इसके बाद विवाह समेत अन्य मांगलिक काम शुरू हो सकेंगे। नये साल में 16 जनवरी से विवाह सहित अन्य सभी तरह के मंगल कार्य शुरू होंगे। विभिन्न पंचांगों के अनुसार जनवरी में 10 दिन, फरवरी में 14 दिन, मार्च में 5 दिन, अप्रैल में 09 दिन, मई में 15 दिन, जून में 5 दिन विवाह के शुभ मुहूर्त होंगे। इसके बाद जुलाई, अगस्त, सितंबर व अक्टूबर में विवाह के मुहूर्त नहीं है। चार माह के लिए भगवान विष्णु शयन में चले जाते हैं यानि हरिशयनी एकादशी के दिन से। जिसके बाद फिर मांगलिक कार्य देवोत्थान एकादशी पर नवंबर में शुरू होगा। अगले साल नवम्बर में 13 दिन और दिसंबर में मात्र तीन दिन विवाह के शुभ मुहूर्त हैं।

16-22 दिसंबर तक का समय मूलांक 1-9 वालों के लिए कैसा रहेगा?

ज्योतिषशास्त्र की तरह अंक ज्योतिष से भी जातक के भविष्य, स्वभाव और व्यक्तित्व का पता लगता है। जिस तरह हर नाम के अनुसार राशि होती है उसी तरह हर नंबर के अनुसार अंक ज्योतिष में नंबर होते हैं। अंकशास्त्र के अनुसार अपने नंबर निकालने के लिए आप अपनी जन्म तिथि, महीने और वर्ष को इकाई अंक तक जोड़ें और तब जो संख्या आएगी, वही आपका भाग्यांक होगा। उदाहरण के तौर पर महीने के 8, 17 और 26 तारीख को जन्मे लोगों का मूलांक 8 होगा। आइए जानते हैं मूलांक 1 से 9 वालों का कैसा रहेगा ये सप्ताह-

मूलांक 1: इस सप्ताह मूलांक 1 वालों की आमदनी में वृद्धि होगी। सुख-सुविधाओं में जीवन गुजारेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। निवेश के नए मौके मिलेंगे। पुराने निवेशों से अच्छा रिटर्न मिलेगा। नए व्यापार की शुरुआत के लिए उत्तम समय है। सामाजिक पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाइफस्टाइल बढ़िया रहेगी। स्वास्थ्य पहले से बेहतर होगा। शत्रुओं पर जीत हासिल होगी। अपने सोच-समझ से महत्वपूर्ण फैसले ले पाएंगे। पारिवारिक जीवन में कोई समस्या नहीं रहेगी। अपनों का प्यार और सपोर्ट मिलेगा।

मूलांक 2: इस सप्ताह मूलांक 2 वालों की लव लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ अच्छी रहेगी। आप पार्टनर से ज्यादा खुलकर और ईमानदारी से बातचीत कर सकेंगे। लव लाइफ में नई चीजों को एक्सप्लोर करेंगे। रिश्तों में आपसी समझ बढ़ेगी। आप साथी की फीलिंग्स और उम्मीदों को समझने का प्रयास कर सकते हैं। यह रिलेशनशिप की दिक्कतों को लेकर बातचीत करने का उत्तम समय है। कार्यस्थल पर सभी कार्य बिना किसी विघ्न-बाधा के संपन्न होंगे। ऑफिस में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। व्यापार में सुधार आएगा। आय में वृद्धि के नए मौके मिलेंगे। बिजनेस पार्टनर्स के एक-दूसरे से अच्छे रिश्ते रहेंगे। लंबी यात्रा से बचें। अज्ञात शत्रुओं से सतर्क रहें।

मूलांक 3 : करियर में तरक्की करेंगे। ज्ञानवर्धन होगा। इस सप्ताह नई चीजों को एक्सप्लोर करने और करियर में तरक्की के नए मौकों का लाभ उठाने के लिए उत्तम समय है। प्रोफेशनल लाइफ में आपके सभी प्लान और प्रोजेक्ट्स सफल होंगे। आप मान-सम्मान के साथ धन अर्जित कर सकेंगे। सामाजिक पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कड़ी मेहनत और लगन के साथ किए गए कार्यों में कामयाबी मिलेगी। पास्ट की बातों को ज्यादा न कुरेदें। लग्जरी आइटम्स पर ज्यादा पैसे खर्च न करें। इससे आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। शत्रुओं पर विजयी हासिल करेंगे। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मूलांक 4 : इस सप्ताह मूलांक 4 वालों में क्रिएटिविटी भरपूर रहेगी। जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का आगमन होगा। आप अच्छी डील्स हासिल करने में सफल होंगे। यह आमदनी बढ़ाने के लिए अच्छा सप्ताह होगा। ऑफिस में कड़ी मेहनत की प्रशंसा की जाएगी। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। निवेशों से अच्छा रिटर्न मिलेगा, लेकिन बिना एक्सपर्ट की सलाह के निवेश करने से बचें। इस सप्ताह आपके दोस्त करियर में आगे बढ़ने में आपकी मदद करेंगे। इस वीक आप परिजनों से जीवनसाथी की मुलाकात करा सकते हैं। इससे आपका रिश्ता अधिक मजबूत होगा।

मूलांक 5 : इस सप्ताह मूलांक 5 वालों को अपने पढ़ाई-लिखाई पर ज्यादा ध्यान होगा। हायर एजुकेशन के लिए तैयारी कर रहे और विदेश जाने के इच्छुक स्टूडेंट्स को गुड न्यूज मिल सकती है। विद्यार्थियों के लिए यह सप्ताह शानदार रहेगी। आप लक्ष्यों को हासिल करने में सफल होंगे। बड़े प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी मिलेगी। हालांकि, इस सप्ताह बढ़ते खर्च से मन परेशान रह सकता है। लंबी दूरी की यात्रा करने से बचें। पर्सनल लाइफ में थोड़ी बाधाएं या उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव है। रिश्तों में दूरियां आ सकती हैं। समाज में खूब मान-सम्मान मिलेगा।

मूलांक 6 : इस सप्ताह मूलांक 6 वालों का मन प्रसन्न रहेगा। आप छोटी और बड़ी उपलब्धियों में प्रसन्न रहेंगे। पुराने दोस्तों के साथ मौज-मस्ती भरे पलों को एंजॉय कर सकते हैं। आपको नए टास्क या प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी मिलेगी। मौज-मस्ती के दौरान महत्वपूर्ण कार्यों को न भूलें। आपको कड़ी मेहनत और लगन से तरक्की के कई मौके मिलेंगे। इस वीक आपकी किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जिसके साथ आपकी दोस्ती बढ़ेगी। आप यात्रा भी कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी और करियर में भी खूब तरक्की करेंगे।

मूलांक 7 : मूलांक 7 वालों को इस सप्ताह नई स्किल सीखा चाहिए। अपने फेवरेट हॉबी के लिए समय निकालना चाहिए। नौकरी-कारोबार में सकारात्मक माहौल रहेगा, लेकिन कुछ समस्याओं की वजह से वाद-विवाद संभव है। ऑफिस में बहस से बचें। इससे विचारों में मतभेद और गलतफहमी हो सकती है। शत्रुओं से दूरी बनाएं। दोस्तों के सपोर्ट से करियर की बाधाएं दूर होंगी। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। इस सप्ताह आपको करियर में तरक्की के कई मौके मिलेंगे। पर्सनल लाइफ में थोड़े उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। जीवनसाथी संग गलतफहमी बढ़ सकती है। जिससे बहस होना संभव है। नेगेटिविटी से दूर रहें और तनाव से बचें। आप वीकेंड ट्रिप का प्लान बना सकते हैं।

मूलांक 8 : इस सप्ताह मूलांक 8 वालों को निवेश के कई मौके मिलेंगे। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। आमदनी के नए स्त्रोत बनेंगे। इस वीक निवेश से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लेंगे। परिजनों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। ऑफिस में प्रमोशन मिल सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। ससुराल पक्ष में रिश्ते मधुर होंगे।

मूलांक 9 : आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यक्तिगत जीवन में खूब तरक्की करेंगे। लाइफ में नई चीजों को एक्सप्लोर करेंगे। करियर गोल्स को लेकर महत्वकांक्षी नजर आएंगे। पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करें। लव लाइफ के सुहाने पलों को एंजॉय करें। इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आय के अतिरिक्त सोर्स बनेंगे। जीवन में ऊर्जा और उत्साह भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। प्रेमी से अपनी फीलिंग्स को खुलकर व्यक्त कर सकेंगे।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है।

वृष स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

मिथुन शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

सिंह संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी।

कन्या कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी भी प्रकार के झगड़ों में न पड़ें।

तुला धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा।

वृश्चिक लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी।

धनु शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा।

मकर कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

कुंभ व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

मीन प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें।

नवम भाव आपकी किस्मत और धर्म का प्रतीक है

ज्योतिष शास्त्र में हर भाव का अपना एक विशेष महत्व होता है, और नवम भाव इनमें से एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसे भाग्य भाव या धर्म भाव के नाम से भी जाना जाता है। नवम भाव व्यक्ति के भाग्य, धर्म, उच्च शिक्षा, आध्यात्मिकता और यात्रा का प्रतीक है। आइए विस्तार से जानें कि यह भाव हमारे जीवन में क्या भूमिका निभाता है।

प्रियंका जैन
9769994439

नवम भाव का महत्व

नवम भाव को कुंडली का आधार स्तंभ माना जाता है। यह व्यक्ति के जीवन में सौभाग्य और नैतिकता को दर्शाता है। इसे गुरु भाव भी कहा जाता है, क्योंकि यह गुरु (बृहस्पति) का मुख्य क्षेत्र है। नवम भाव यह बताता है कि व्यक्ति का धर्म और उसकी आध्यात्मिकता कैसी होगी। इसके साथ ही, यह उच्च शिक्षा, विदेश यात्राएं, धार्मिक कर्मकांड और दान-पुण्य जैसे क्षेत्रों पर भी प्रकाश डालता है।

नवम भाव का प्रभाव

1. भाग्य और सफलता:

नवम भाव में शुभ ग्रहों की स्थिति व्यक्ति के भाग्य को प्रबल बनाती है। यदि इस भाव का स्वामी मजबूत हो, तो व्यक्ति को अपने जीवन में बड़ी सफलता और सम्मान प्राप्त होता है।

2. धार्मिक और आध्यात्मिक झुकाव:

यह भाव यह दर्शाता है कि व्यक्ति धर्म और आध्यात्मिकता की ओर कितना झुका हुआ है। यह धार्मिक क्रियाकलापों में रुचि और ईश्वर के प्रति आस्था का भी प्रतीक है।

3. उच्च शिक्षा और ज्ञान:

नवम भाव व्यक्ति के उच्च शिक्षण और ज्ञानार्जन का भी संकेत देता है। यदि इस भाव में शुभ ग्रहों की दृष्टि हो, तो व्यक्ति विद्वान बन सकता है और अपनी बुद्धिमत्ता से समाज में प्रसिद्धि अर्जित कर सकता है।

4. विदेश यात्राएं:

यह भाव लंबी दूरी की यात्राओं का भी प्रतीक है, विशेषकर तीर्थ यात्रा या विदेश यात्रा। नवम भाव का संबंध व्यक्ति की यात्रा योजनाओं और उन यात्राओं से प्राप्त होने वाले अनुभवों से होता है।

नवम भाव में ग्रहों का प्रभाव

सूर्य: नवम भाव में सूर्य व्यक्ति को धार्मिक और नैतिक बनाता है। यह व्यक्ति को नेतृत्व क्षमता भी प्रदान करता है।

चंद्रमा: यह भाव में चंद्रमा व्यक्ति को दयालु और धार्मिक बनाता है।

बृहस्पति: नवम भाव में बृहस्पति होने पर व्यक्ति का भाग्य मजबूत होता है और उसे शिक्षा व धर्म का गहरा ज्ञान प्राप्त होता है।

शनि: शनि के प्रभाव से व्यक्ति को अपने भाग्य को चमकाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है, लेकिन सफलता अंततः मिलती है।

नवम भाव को कैसे मजबूत करें?

यदि कुंडली में नवम भाव कमजोर है, तो इसके प्रभाव को सुधारने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं:

1. गुरु ग्रह की पूजा और गुरुवार का व्रत करें।
2. धार्मिक स्थलों की यात्रा करें और दान-पुण्य करें।
3. सुबह नियमित रूप से सूर्य को जल अर्पित करें।
4. ॐ गुरवे नमःऱ मंत्र का जाप करें।
5. संतों और विद्वानों का सम्मान करें।

निष्कर्ष: नवम भाव व्यक्ति के जीवन का वह हिस्सा है जो उसकी किस्मत, धर्म और जीवन के गहरे अर्थों को दर्शाता है। यदि इसे समझकर सही दिशा में प्रयास किए जाएं, तो व्यक्ति अपने जीवन में न केवल भौतिक बल्कि आध्यात्मिक प्रगति भी कर सकता है। नवम भाव को सशक्त बनाकर हम अपने भाग्य और धर्म दोनों को बेहतर बना सकते हैं।

खबर संक्षेप

बारात में दलित दूल्हे को घोड़े से गिराया

बुलंदशहर। बुलंदशहर में एक दलित पुलिसकर्मी की बारात में बवाल हो गया। घुड़चढ़ी के दौरान दबंगों ने ना केवल पथराव किया, बल्कि दूल्हे को घोड़े से गिराते हुए डीजे भी तोड़ दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। मामला बुलंदशहर के जहांगीराबाद कोतवाली थाना क्षेत्र में टिटौटा गांव का है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दूल्हे का पिता नंदराम के मुताबिक बारात निकलने वाली थी। इसके लिए घुड़चढ़ी शुरू हो गई थी। इतने में आधा दर्जन से अधिक लोग आए और बारात पर पथराव शुरू कर दिया। देखते ही देखते अराजक तत्वों ने घोड़ी पर बैठे उनके बेटे को खींचकर नीचे गिरा दिया और बारात में आए डीजे को तोड़ दिया। इस घटना में बारात में शामिल कई लोग घायल हो गए। वहीं पूरी व्यवस्था अस्त व्यस्त हो गई। हालात को देखते हुए पुलिस को सूचना दी गई, लेकिन पुलिस के आने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गए।

नंदराम ने बताया कि उनका बेटा पुलिस कांस्टेबल है। एक तो उसकी नौकरी पुलिस में लगी थी, दूसरे शादी हो रही थी। इसलिए परिवार के सभी लोग खुश थे। इसकी वजह से उसकी शादी के लिए भव्य इंतजाम किए गए थे, लेकिन दबंगों के हमले की वजह से उनके बारात में अफरा तफरी मच गई और सारे इंतजाम ध्वस्त हो गए। गनीमत रही कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके बाद बड़ी मुश्किल से दोबारा सारी तैयारियां कर बाराता निकाली गई।

कॉमेडियन सुनील पाल किडनैप केस का सरगना पुलिस मुठभेड़ में घायल

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में कॉमेडियन सुनील पाल का अपहरण करने वाले आरोपी अर्जुन कर्णवाल को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मेडिकल चेकअप कराने ले जाते वक्त आरोपी ने भागने की कोशिश की। उसने दरोगा की पिस्टल छीनने का प्रयास किया। इस बीच पुलिस और आरोपी में मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की, जिसमें अर्जुन घायल हुआ है। उसके पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस मुठभेड़ में घायल हुआ बदमाश अर्जुन सुनील पाल अपहरण कांड का मुख्य सरगना है। पुलिस ने अपहरण केस में इस्तेमाल की गई कार और वसूली गई फिरौती में से 2।25 लाख रुपये भी बरामद किए हैं। इस मामले में एक अन्य आरोपी फरार है।

AMU के खिलाफ JNMC डॉक्टर्स ने खोला मोर्चा

सरकार की मंजूरी के बाद भी लागू नहीं की ये स्कीम

एजेंसी । अलीगढ़

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर्स विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि वे पिछले 10 साल से अपना काम बखूबी तरीके से कर रहे हैं, इसके बावजूद उनका प्रमोशन नहीं हुआ है। डॉक्टर्स डायनेमिक एश्योर्ड करियर प्रोग्रेसन (DACP) स्कीम लागू करने की मांग कर रहे हैं, जिसकी मंजूरी सरकार पहले ही दे चुकी है। एएमयू के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर्स का पिछले 10 साल से प्रमोशन नहीं हुआ है और वे अब भी असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर काम कर रहे हैं। बार-बार प्रमोशन की गुजारिश करने बाद जब कोई हल नहीं निकला तो डॉक्टरों ने प्रशासनिक ब्लॉक में शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन किया और DACP स्कीम जल्द से जल्द लागू करने की मांग की। जियाउद्दीन डेंटल कॉलेज में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर्स आज यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक भवन रजिस्टार ऑफिस पर पैदल आए और हाथों में पोस्टर-बैनर लेकर विरोध प्रदर्शन किया।उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए अपनी मांग से संबंधित चीजे यूनिवर्सिटी इंतजामिया को बताई। प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों का कहना है कि असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर वह पिछले दस साल से कर कार्य कर रहे हैं, लेकिन उनका प्रमोशन नहीं हो पा रहा है। जब प्रमोशन की बात आती है तब यूनिवर्सिटी प्रशासन की ओर से हमें केवल इंतजार करने के लिए कहा जाता है। बाद में वह उससे पीछे हट जाते हैं। हमारे एरियर और सैलरी कुछ भी नहीं बढ़ पा रहा है।

क्या है DACP योजना?

DACP
DACP
DACP
Implement DACP For Medical And Dental Teachers

डायनेमिक एश्योर्ड करियर प्रोग्रेशन यानी डीएसीपी वह योजना है, जिसे केंद्र सरकार ने डॉक्टर्स के लिए करियर की प्रगति, वित्तीय लाभ सुनिश्चित करने और पदोन्नति व रैंक में असमानताओं को खत्म करने के लिए शुरू की थी। इसे यूजीसी ने 2008 में लागू किया था। इस योजना के तहत डॉक्टर्स की सेवा अवधि में चार बार प्रमोशन या वित्तीय उन्नयन सुनिश्चित करना है।

DU, BHU जैसे बड़े मेडिकल संस्थानों में पहले से लागू

डीएसीपी योजना भारत के कई प्रमुख मेडिकल संस्थानों, जैसे दिल्ली विश्वविद्यालय (DU) और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) में पहले से लागू हो चुकी है। डीयू ने इसे 2013 में और बीएचयू ने 2015 में लागू किया था। हालांकि साल 2018 में एएमयू के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में इसे लागू करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन 6 साल बाद भी इसे लागू नहीं किया गया है।एएमयू के डॉक्टरों का आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन की अनावश्यक देरी और उदासीनता के कारण इसे अभी तक लागू नहीं किया गया है।

बरेली में अगवा राजस्व अधिकारी की बेरहमी से हत्या

बरेली। बरेली में एक राजस्व अधिकारी की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। वो एक महीने पहले ड्यूटी जाते समय अगवा हुए थे। पुलिस उनकी तलाश में लगी हुई थी। इसी बीच रविवार को जिले के कैंटोनमेंट क्षेत्र के बभिया गांव में एक नाले के पास उनका शव क्षत-विक्षत मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है।

इस मामले की जांच की जा रही है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने बताया कि राजस्व अधिकारी की पहचान मनीष कश्यप (45) के रूप में हुई है। वो फरीदपुर तहसील में राजस्व अधिकारी के पद पर तैनात थे। 27 नवंबर को ड्यूटी जाने के लिए घर से निकले थे। उसके बाद से लापता हो गए थे। इस मामले में पुलिस कुछ संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। मनीष कश्यप के गायब होने के बाद उनकी मां मोरकली ने स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें उन्होंने खल्लपुर गांव के एक स्थानीय प्रतिनिधि और उसके साथियों पर अपने बेटे का अपहरण करने का आरोप लगाया था। बरेली जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रमित शर्मा के आदेश पर फरीदपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसकी जांच के लिए एक टीम गठित की गई थी।

एडीजी ने सहायक पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार के नेतृत्व में एक टीम को मनीष कश्यप का पता लगाने का निर्देश दिया था। पुलिस जांच में पता चला है कि राजस्व अधिकारी की हत्या फरीदपुर के कपूरपुर गांव में जमीन की पैमाइश के विवाद से जुड़ी है। वो जमीन की पैमाइश कर रहे थे, तभी आरोपियों को उन पर विरोधी पक्ष का पक्ष लेने का शक हुआ। इसके बाद उनकी हत्या की साजिश रची गई।

पुलिस जांच में पता चला है कि 27 नवंबर को आरोपियों ने मनीष कश्यप को तहसील कार्यालय में बुलाया। वहां मारुति अर्टिगा कार के अंदर उनका गला घोंट दिया। इसके बाद उनके शव को बभिया गांव में नाले के पास फेंक दिया। एसएसपी ने पुष्टि की है कि आगे की पूछताछ जारी है। पुलिस जल्द ही सभी दोषियों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई करेगी। एफआईआर में हत्या की धाराएं जोड़ी जा रही हैं।

फर्जी शेयर ट्रेडिंग करने वाले दो ठग गिरफ्तार, 23.45 लाख रुपए की ठगी

गाजियाबाद। फेसबुक के माध्यम से व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़कर वहां से लिंक के माध्यम से शेयर ट्रेडिंग वेबसाइट के माध्यम से फर्जी शेयर ट्रेडिंग करने वाले दो ठगों को गिरफ्तार किया है। इन्होंने एक शख्स से 23.45लाख रुपये को ठगी की थी। एडीसीपी सच्चिदानन्द ने बताया कि राहुल निगम निवासी इंदिरापुरम गाज़ियाबाद फेसबुक के माध्यम से व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़कर वहां से लिंक के माध्यम से शेयर ट्रेडिंग वेबसाइट के माध्यम से फर्जी शेयर ट्रेडिंग के जरिए दो युवकों ने 23.45 लाख रुपये की ठगी कर ली । फर्जी शेयर ट्रेडिंग हेतु अपराधियों ने फर्जी वेबसाइट trade.quantum-capital.info बनाकर घटना को अंजाम दिया गया। इस फर्जी शेयर ट्रेडिंग ऐप/वेबसाइट पर शेयर ट्रेडिंग हेतु झांसा देकर, विभिन्न बैंक खातों में पैसा जमा करवाया । जब इन ट्रेडिंग से कमाया हुआ पैसा पीडित राहुल निगम ने निकालने का प्रयास किया, पैसा नहीं निकाल पाने पर उन्हे अपने साथ हुए साइबर फ्रॉड का पता चला । राहुल निगम ने सात नवंबर को थाना साइबर क्राइम पर अभियोग पंजीकृत कराया गया । अभियोग की विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलन पर रविवार को घटना के आरोपी प्रदीप यादव तथा शुभम वशिष्ठ को कोतवाली क्षेत्र गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया।

सोशल मीडिया पर अधिक लाभ का लालच देकर करते थे ठगी

प्रदीप यादव ने पुलिस को बताया कि वह दूध बेचने का काम करता है। उसने अपने मित्र शुभम वशिष्ठ के कहने पर बैंक ऑफ इंडिया में अपना बैंक खाता खुलवाया तथा कमीशन पर खाता को शुभम वशिष्ठ को दे दिया ।शुभम वशिष्ठ गाज़ियाबाद निवासी आयुष त्यागी तथा विजय शर्मा के लिए काम करता है । ये लोग साइबर अपराध कारित कर पीड़ित से पैसे विभिन्न खातों में ट्रान्सफर करवा कर निकाल लेते हैं । आयुष त्यागी तथा विजय शर्मा ने राजनगर एक्सटैन्शन में इस काम के लिए एक ऑफिस भी खुलवा रखा है । ये लोग एक बड़े गैंग का हिस्सा हैं, जो विदेशों में बैठ कर सोशल मीडिया पर अधिक लाभ का लालच देने वाले विडियो दिखा कर फर्जी शेयर ट्रेडिंग एप/ वैबसाइट बनाकर, लोगों को डाउनलोड करवा कर, फर्जी शेयर ट्रेडिंग करवाने के नाम पर उनके पैसे विभिन्न बैंक खातों में जमा करवा लेते हैं ।

सड़क हादसे में पत्रकार की मौत

देवरिया। रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र में रविवार को सड़क हादसे में हिंदी दैनिक के पत्रकार के गंभीर रूप से घायल होने पर उन्हें इलाज के लिए देवरिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने विधिक कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी।रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के पूर्वी तिवारी टोला के रहने वाले रमेश चंद्र शुक्ला पुत्र स्वर्गीय श्रीकांत शुक्ला जो हिंदी दैनिक पेपर में पत्रकार थे। स्कूटी से कहीं जा रहे थे। तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने रुद्रपुर देवरिया मार्ग पर सरौरा के पास टक्कर मार दी। घायल अवस्था में इलाज के लिए देवरिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक के द्वारा मृत घोषित कर दिया गया।

जमीन घोटाले की जांच कर रहे लेखपाल की हत्या

CRIME
MURDER

बरेली। बरेली जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। फरीदपुर तहसील के लेखपाल मनीष चंद कश्यप, जो 27 नवंबर से रहस्यमय तरीके से लापता थे, उनका शव रविवार को कैंट क्षेत्र के बभिया गांव के नाले के किनारे से सड़ी-गली हालत में बरामद हुआ। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। लेखपाल के परिजनों ने दावा किया कि मनीष चंद कश्यप 250 बीघा ग्राम समाज की जमीन पर हो रहे घोटाले का पर्दाफाश करने वाले थे। उनकी पहचान पुलिस ने कपड़ों से की है। हालांकि डीएनए रिपोर्ट भी करवाई जा सकती है। मनीष ने कटरी क्षेत्र में भूमाफियाओं द्वारा अवैध कब्जे की रिपोर्ट तैयार की थी और इसे शासन को भेजने वाले थे। लेकिन उसी दिन, उनका अपहरण कर लिया गया।

परिजनों ने आरोप लगाया कि मनीष पर रिपोर्ट रोकने का भारी दबाव डाला जा रहा था। परिजनों का आरोप है कि जब उन्होंने पुलिस में अपहरण की तहरीर दी, तो उनकी तहरीर को फाड़ दिया गया और केवल गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया।

व्यापार जगत

भारतीय पर्यटन क्षेत्र 10 साल में हो जाएगा दोगुना: डब्ल्यूटीटीसी प्रमुख

मुंबई। भारत के पर्यटन क्षेत्र का आकार अगले 10 साल में दोगुना होकर 523 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जूलिया सिम्पसन ने यह कहा है।

डब्ल्यूटीटीसी यात्रा और पर्यटन उद्योग के मुद्दों पर सरकारों के साथ काम करती है और इस क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक योगदान पर वैश्विक प्राधिकरण है। सिम्पसन ने बातचीत में कहा, 'यात्रा और पर्यटन क्षेत्र भारत में 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार देता है और मूल्य के हिसाब से यह दोगुना होने जा रहा है। अगले 10 वर्षों में भारत में यह क्षेत्र 523 अरब डॉलर का हो जाएगा, जो वर्तमान आकार 256 अरब डॉलर से दोगुना से भी अधिक है।'

उन्होंने कहा, '10 साल में भारत में पर्यटन क्षेत्र 6.3 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करेगा।' सिम्पसन ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे खूबसूरत और अद्भुत देशों में से एक है। सदियों से

पर्यटक और आगंतुक इसके तटों और अद्भुत शहरों की ओर आकर्षित होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का खुले दिल से स्वागत करता है और भारतीय आतिथ्य अविश्वसनीय है।

उन्होंने कहा, 'पर्यटन भारतीय अर्थव्यवस्था का लगभग सात प्रतिशत हिस्सा है और 2019 में यह लगभग 211 अरब डॉलर था। अब यह लगभग 256 अरब डॉलर है और भारत में 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार देता है।' वरिष्ठ कार्यकारी ने कहा कि वैश्विक पर्यटन का लगभग 50 प्रतिशत तटीय रिजॉर्ट्स और समुद्र के नजदीकी इलाकों में होता है। लोग समुद्र तटों को देखना चाहते हैं और अद्भुत जल क्रीड़ाओं का आनंद लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, तटीय क्षेत्र मौसम में खतरनाक परिवर्तनों और बढ़ते समुद्री स्तर के मामले में ग्लोबल वार्मिंग के प्रति बहुत संवेदनशील हैं।

उन्होंने कहा कि डब्ल्यूटीटीसी ने हाल ही में तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा में मदद करने के उपायों के बारे में एक रिपोर्ट जारी की है। 'अगर आप मियामी जैसी जगहों को देखें तो वे अपने तटीय क्षेत्र को मजबूत बनाने में बहुत निवेश कर रहे हैं। उनके पास अच्छी चेतावनी प्रणाली हैं और उन्होंने ऐसे बुनियादी ढांचे का भी निर्माण किया है जो इन बहुत ही चुनौतीपूर्ण मौसम की घटनाओं का प्रतिरोध करता है।'

सिम्पसन ने कहा कि 'मैं जानती हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वायु प्रदूषण को कम करने की कोशिश करना अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक बना लिया है।

कोल इंडिया का सीएसआर व्यय 10 वर्षों में 5,570 करोड़ रुपए के पार

कोलकाता। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने पिछले एक दशक में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों पर 5,570 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। कोल इंडिया के चेयरमैन पी एम प्रसाद ने कहा कि रविवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि कंपनी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, खेल और महिला सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। रविवार को तीसरे सीआईएल सीएसआर सम्मेलन 2024 का उद्घाटन करते हुए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में एसएसआर पहलों की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कैंसर रोगियों की मदद करने के लिए सीआईएल के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल राष्ट्र के समग्र विकास में योगदान करती है। प्रसाद ने कहा, 'कोल इंडिया ने पिछले 10 वर्षों में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों में 5,570 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।'

अरबिंदो फार्मा, ग्लेनमार्क, जायडस ने अमेरिका में उत्पाद वापस मंगाए

एजेंसी । नई दिल्ली

दवा निर्माता अरबिंदो फार्मा, ग्लेनमार्क और जायडस ने विनिर्माण संबंधी खामियों के कारण अमेरिकी बाजार में उत्पादों को वापस मंगाया है।

अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) की हालिया प्रवर्तन रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद स्थित दवा निर्माता की अनुषंगी कंपनी अरबिंदो फार्मा यूएसए इंक सिनाकैल्सेट गोलियों की एक लाख से अधिक बोतलें वापस मंगा रही है। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने कहा, 'न्यू जर्सी स्थित कंपनी ने उत्पाद को जीएमपी डेविएशनः एन-नाइट्रोसो सिनाकैल्सेट अशुद्धता की एफडीए द्वारा अनुशंसित अंतरिम सीमा से अधिक उपस्थिति के कारण वापस मंगाया है।' कंपनी ने इस साल

Glenmark
A new way for a new world

सात नवंबर को क्लास-2 वापसी शुरू की थी। सिनाकैल्सेट टैबलेट का इस्तेमाल हाइपरपैराथायरायडिज्म के इलाज के लिए किया जाता है।

इसी प्रकार, ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स की एक अमेरिकी अनुषंगी कंपनी अमेरिकी बाजार से डिल्टियाजेम हाइड्रोक्लोराइड कैप्सूल की लगभग 90,000 बोतलें वापस मंगा रही है। यूएसएफडीए ने आगे कहा कि जायडस फार्मास्यूटिकल्स (यूएसए) इंक लेबलिंग त्रुटि के कारण विलंबित-रिलीज़ ओरल सस्पेंशन (40 मिलीग्राम) के लिए एसोमेप्राज़ोल मैग्नीशियम के 4,404 डिब्बे वापस बुला रहा है। इस दवा का उपयोग पेट और अन्नप्रणाली की कुछ समस्याओं के इलाज के लिए किया जाता है। कंपनी ने 14 नवंबर को प्रभावित डिब्बों को देश भर में वापस मंगाने की पहल की थी।

आज बड़ी-बड़ी कंपनियों से निवेश आकर्षित कर रहा है बिहार

पटना। बिहार को कभी उद्योगों के कम अनुकूल माना जाता था। हालांकि, अब हालात बदल चुके हैं। आज राज्य अपने विशाल संसाधनों तथा प्रगतिशील नीति को साथ मिलाकर अदाणी समूह से लेकर कोका-कोला जैसी कंपनियों से बड़ा निवेश हासिल कर रहा है।

बिहार के उद्योग और पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा प्रशासन के प्रति अपने सीईओ-शैली के दृष्टिकोण के साथ बिहार को एक ऐसे

राज्य में बदल रहे हैं जो पूर्वी भारत में निवेशकों के लिए प्रवेश द्वार बन सकता है। मिश्रा कहते हैं कि बिहार की औद्योगिक क्षमताओं के बारे में पूर्वाग्रह धीरे-धीरे दूर हो रहा है। हाल में अदाणी समूह ने राज्य में 8,700 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। अंबुजा सीमेंट्स 1,200 करोड़ रुपये की इकाई स्थापित कर रही है, और कोका-कोला अपनी बॉटलिंग क्षमता का विस्तार कर रही है। पिछले साल राज्य की निवेशक बैठक 'बिहार बिजनेस कनेक्ट-2023' में 300 कंपनियों के साथ 50,000 करोड़ रुपये से अधिक के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे। और इस सप्ताह होने वाले दूसरे संस्करण में और अधिक निवेश आने की उम्मीद है। मिश्रा कहते हैं कि बिहार में औद्योगिक संभावनाएं असीम हैं। 'बिहार धारणा का शिकार रहा है। लेकिन अब इसमें बदलाव आ रहा है।'

एनबीसीसी का मार्च तक एक लाख करोड़ रुपए की एकीकृत ऑर्डर बुक का लक्ष्य

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीसीसी लिमिटेड ने मौजूदा 84,400 करोड़ रुपये के एकीकृत ऑर्डर बुक को बढ़ाकर अगले साल मार्च तक एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड परियोजना प्रबंधन परामर्श (पीएमसी), इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) और रियल एस्टेट कारोबार में शामिल है और पूरे भारत

में कारोबार का विस्तार करना चाहती है। एनबीसीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के पी महादेवस्वामी ने निवेशकों से कहा, 'एनबीसीसी के पास करीब 84,000 करोड़ रुपये की ऑर्डर बुक है।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

गाबा टेस्ट का दूसरा दिन रहा ट्रेविस हेड-स्टीव स्मिथ के नाम

एजेंसी । ब्रिस्बेन

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी (BGT) 2024-25 के तहत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला ब्रिस्बेन के गाबा में है। मुकाबले में दूसरे दिन (15 दिसंबर) का खेल समाप्त हो चुका है। दूसरे दिन स्टम्प तक ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में सात विकेट के नुकसान पर 405 रन बना लिए। एलेक्स कैरी 45 और मिचेल स्टार्क 7 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रेविस हेड (152) और स्टीव स्मिथ (101) ने शतकीय पारियां खेलीं। जबकि भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने अब तक पांच विकेट लिए हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गाबा के मैदान पर इससे पहले सात टेस्ट मैच खेले गए थे। इस दौरान भारतीय टीम को 5 में हार मिली और एक मुकाबला ड्रॉ रहा। गाबा में भारतीय टीम को इकलौती टेस्ट जीत जनवरी 2021 में मिली थी। तब उसने ऑस्ट्रेलिया को तीन विकेट से हराया था।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी की हाइलाइट्स

इस मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। हालांकि पहले दिन बारिश ने जमकर तांडव काटा। पहले दिन महज 13 ।2 ओवर्स का ही खेल हुआ। इन 80 गेंदों के खेल के दौरान ऑस्ट्रेलियाई ओपनरों ने सधी बल्लेबाजी की और 28 रन बनाए। यानी पहले दिन कंगारू टीम को कोई नुकसान नहीं हुआ।

दूसरे दिन के खेल में जल्द ही भारत को शुरुआती सफलता मिल गई, जब उस्मान ख्वाजा ने जसप्रीत बुमराह की गेंद पर विकेटकीपर ऋषभ पंत को कैच थमा दिया। ख्वाजा ने तीन चौके की मदद से 21 रन बनाए। फिर बुमराह ने दूसरे ओपनर नाथन मैकस्वीनी (9 रन) को भी चलता कर दिया। मैकस्वीनी का कैच दूसरी स्लिप पर विराट कोहली ने लपका। इसके बाद स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन के बीच तीसरे विकेट के लिए 37 रनों की पार्टनरशिप हुई, जिसे नीतीश कुमार रेड्डी ने तोड़ा। नीतीश ने मार्नस लाबुशेन (12) को दूसरी स्लिप में विराट कोहली के हाथों कैच आउट कराया।

75 रनों पर तीन विकेट गिरने के बाद स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड की जोड़ी क्रीज पर जम गई। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 241 रनों की पार्टनरशिप हुई। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने शतक जड़े। हेड ने टेस्ट करियर का 9वां और भारत के खिलाफ तीसरा शतक जड़ा। हेड ने एडिलेड टेस्ट में भी शतक जड़ा था। वहीं स्मिथ ने अपने टेस्ट करियर का ये 33वां और भारत के खिलाफ 10वां शतक लगाया। इस बड़ी पार्टनरशिप का अंत जसप्रीत बुमराह ने किया। बुमराह ने नई गेंद से पहले स्टीव स्मिथ को चलता किया, जो रोहित शर्मा को कैच थमा बैठे। स्मिथ ने 190 गेंदों पर 101 रनों की पारी खेली, जिसमें 12 चौके शामिल रहे। फिर बुमराह ने एक ही ओवर में मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड को आउट करके 'पंजा' खोला। मार्श 5 रन बनाकर विराट कोहली को कैच थमा बैठे। जबकि ट्रेविस हेड का कैच विकेटकीपर ऋषभ पंत ने लपका। हेड ने 160 गेंदों का सामना करते हुए 152 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 18 चौके जड़े।

हेड के आउट होने के बाद पैट कमिंस और विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी के बीच सातवें विकेट के लिए 58 रनों की पार्टनरशिप हुई, जिसने ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। मोहम्मद सिराज इस पार्टनरशिप को तोड़ने में सफल रहे। सिराज ने कमिंस (20 रन) को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच आउट कराया।

विकेट पतन

1-31 (उस्मान ख्वाजा, 16 .1 ओवर), 2-38 (नाथन मैकस्वीनी, 18 .3 ओवर), 3-75 (मार्नस लाबुशेन, 33 .2 ओवर), 4-316 (स्टीव स्मिथ, 82 .6 ओवर), 5-326 (मिचेल मार्श , 86 .2 ओवर), 6-327 (ट्रेविस हेड, 86 .5 ओवर), 7-385 (पैट कमिंस, 97 .5 ओवर)

इस मुकाबले के लिए भारत की प्लेइंग-11 में तेज गेंदबाज आकाश दीप की एंट्री हुई। आकाश ने हर्षित राणा की जगह ली, जो एडिलेड टेस्ट में काफी महंगे साबित हुए थे। अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन भी इस मुकाबले से बाहर रहे हैं।

टीम इंडिया के पास 'स्पेशल हैट्रिक' बनाने का मौका

भारतीय टीम 1947 से ऑस्ट्रेलिया का दौरा करती आ रही है। इस दौरान दोनों टीमों के बीच क्रिकेट के मैदान पर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। अब तक भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर 13 टेस्ट सीरीज खेल चुकी है। भारतीय टीम ने आजादी मिलने के करीब चार महीने बाद ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया। उस ऑस्ट्रेलियाई टीम में सर डोनाल्ड ब्रैडमेन (178 ।75 की औसत से 715 रन) और तेज गेंदबाज रे लिंडवाल (18 विकेट) थे। भारत के लिए विजय हजारे ने सर्वाधिक 429 रन बनाए थे। देखा जाए तो टीम इंडिया ने पिछली दो टेस्ट सीरीज में कंगारू टीम को उसी के घर में हराया है। अब भारतीय टीम के पास ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीत की हैट्रिक बनाने का मौका है। बता दें कि मौजूदा सीरीज में टीम इंडिया ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए पर्थ टेस्ट में 295 रनों से शानदार जीत दर्ज की थी। जबकि एडिलेड में हुए दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने पलटवार करते हुए 10 विकेट से जीत हासिल की। इस तरह टेस्ट सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है। इस 'महासीरीज' में कुल 5 मैच खेले जाने हैं।

अंडर-19 महिला टी20 एशिया कप में भारत को पाकिस्तान पर जीत

एजेंसी । कुआलालंपुर

भारत ने स्पिनर सोनम यादव के चार विकेट और जी कामिलिनी की उम्दा बल्लेबाजी से अंडर-19 महिला टी20 एशिया कप के ग्रुप ए मैच में रविवार को यहां पाकिस्तान को नौ विकेट से हरा दिया। बाएं हाथ की 17 वर्षीय स्पिनर सोनम ने छह रन पर चार विकेट लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिससे भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 20 ओवर में सिर्फ सात विकेट पर 67 रन पर रोक दिया। भारत ने इसके जवाब में कामिलिनी की 29 गेंद में 44 रन की नाबाद पारी की बदौलत 7.5 ओवर में एक विकेट पर 68 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे पाकिस्तान की केवल दो खिलाड़ी सलामी बल्लेबाज कोमल खान (24) और फातिमा खान (11) ही दोहरे अंक तक पहुंची सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय सलामी बल्लेबाज त्रिशा गोंगडी भी खाता खोले बिना पवेलियन लौट गईं जिसके बाद कामिलिनी और सानिका चालके (नाबाद 19) ने दूसरे विकेट के लिए 67 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को जीत दिला दी। सोलह वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज कामिलिनी ने पाकिस्तानी के कमजोर गेंदबजी आक्रमण को ध्वस्त करते हुए चार चौके और तीन छक्के मारे। सुपर चार चरण के लिए टीमों का फैसला होने से पहले भारत मंगलवार को अपने आखिरी ग्रुप ए मैच में नेपाल से खेलेगा।

16 साल की क्रिकेटर कमलिनी बनी करोड़पति

एजेंसी । नई दिल्ली

वीमेंस प्रीमियर लीग (WPL) 2025 सीजन के लिए ऑक्शन खत्म हो गई है। यह नीलामी बेंगलुरु में रविवार (15 दिसंबर) को हुई। इसमें 5 टीमों ने मिलकर कुल 19 खिलाड़ी खरीदे, जिन पर कुल 9.05 करोड़ रुपये लुटाए। इस बार नीलामी में कुल 120 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। इन पर 5 फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस (MI), गुजरात जायंट्स (GG), यूपी वॉरियर्ज (UPW), दिल्ली कैपिटल्स (DC) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने दांव लगाया।

सिमरन शेख रहीं सबसे महंगी, मिले इतने करोड़

इस बार ऑक्शन में 4 खिलाड़ियों की बोली एक करोड़ रुपये से ऊपर गई है। 22 साल की मिडिल ऑर्डर बैटर सिमरन शेख WPL 2025 नीलामी की सबसे मंहगी प्लेयर रहीं। उन्हें गुजरात टीम ने 1.9 करोड़ की बोली लगाकर खरीदा। सिमरन लेग स्पिन भी करती हैं। उनके बाद दूसरी सबसे महंगी वेस्टइंडीज की डिंड्रा डॉटिन रहीं। उन्हें भी गुजरात ने 1.7 करोड़ रुपये में खरीदा। डिंड्रा फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर हैं। लिस्ट में तीसरा नाम 16 साल की विकेटकीपर कमलिनी का है, जिन्हें मुंबई इंडियंस ने 1.6 करोड़ में खरीदा।

16 साल की कमलिनी ने भी मचाया धमाल

रविवार को ही महिला अंडर-19 एशिया कप में कमलिनी ने धांसू पारी खेली। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 29 गेंदों पर नॉटआउट 44 रन बनाए और अपनी टीम को 47 गेंदों में ही मैच जिता दिया। इस तरह एक ही दिन में कमलिनी ने दो जगह धमाल मचाया। इस ऑक्शन में करोड़पति बनने वालीं चौथी और आखिरी प्लेयर प्रेमा रावत हैं। उन्हें बेंगलुरु फ्रेंचाइजी ने 1.2 करोड़ रुपये में खरीदा। 23 साल की बॉलिंग ऑलराउंडर प्रेमा बैटिंग के अलावा लेग स्पिन में भी माहिर हैं। अब वो आरसीबी की ओर से धमाल मचाती दिखाई देंगी।

पांच फ्रेंचाइजी के पर्स में थे 15 करोड़ रुपये

ऑक्शन में अधिकतम 19 खिलाड़ी ही बिकने थे। इनमें से 5 स्लॉट ओवरसीज के लिए थे। WPL नीलामी में 91 भारतीय और 29 विदेशी खिलाड़ियों के नाम शामिल थे। विदेशी प्लेयर्स में 3 नाम एसोसिएट देशों से रहे। भारतीय खिलाड़ियों में 8 अनकैप्ड भी रहे। इस ऑक्शन के लिए फ्रेंचाइज के पास कुल 15 करोड़ रुपये का बजट था। इसमें सबसे ज्यादा पैसे गुजरात जायंट्स (4.40 करोड़) और दिल्ली कैपिटल्स के पास सबसे कम 2.50 करोड़ रुपये थे।

सिंह फिर से आईजीयू के अध्यक्ष चुने गए

प्रतिद्वंद्वी गुट के शेट्टी ने भी अध्यक्ष पद का दावा किया

एजेंसी । नई दिल्ली

बृजिंदर सिंह को रविवार को यहां वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान लगातार दूसरी बार भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) का अध्यक्ष चुना गया। साल 2024 से 2026 के कार्यकाल के लिए आईजीयू पदाधिकारियों और संचालन परिषद के चुनाव निर्विरोध हुए क्योंकि उम्मीदवारों की संख्या उपलब्ध पदों के बराबरी थी। सिंह अध्यक्ष पद के लिए अकेले उम्मीदवार थे, जबकि एस के शर्मा और संजीव रतन क्रमशः सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने गए। संचालन समिति के लिए चुने गये नौ सदस्यों में फरजान आर हीरजी (झारखंड), हरपुनीत सिंह संधू (चंडीगढ़), हरीश कुमार (उत्तराखंड), नागेश सिंह (असम), डॉ परम नवदीप सिंह (राजस्थान), समीर सिन्हा (गुजरात), शशांक संदू (महाराष्ट्र), सिमरजीत सिंह (उत्तर प्रदेश), और वीरेन सिंह घुम्मन (पंजाब) है।

बृजिंदर सिंह ने कहा, 'नयी टीम का मुख्य फोकस पिछले कुछ वर्षों में किए गए अच्छे काम को जारी रखना है। अधिकांश सदस्य पछली संचालन समिति का हिस्सा रहे हैं और अनुभवी गोल्फर हैं। हम अपने विकास पथ को लेकर स्पष्ट हैं और उस दिशा में काम करना जारी रखेंगे।' 'इंडिया हैबिटेट सेंटर' में आयोजित चुनाव न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रामेश्वर सिंह मलिक की देखरेख में आयोजित किया गया था। न्यायमूर्ति मलिक को दिल्ली उच्च न्यायालय ने चुनाव अधिकारी (आरओ) के रूप में चुनाव की निगरानी करने की अनुमति दी है। वह न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) ओपी गर्ग और न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) प्रमोद कोहली के बाद तीसरे इस पद पर नियुक्त व्यक्ति हैं। इस बीच सचिव हरीश शेट्टी के नेतृत्व में 21 एसजीए सहित एक प्रतिद्वंद्वी गुट आईजीयू की एक अलग वार्षिक आम बैठक के लिए भारतीय ओलंपिक संघ के मुख्यालय ओलंपिक भवन में इकट्ठा हुआ जिसमें न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) ओ पी गर्ग निर्वाचन अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। इस गुट में शेट्टी को अध्यक्ष जबकि लेफ्टिनेंट जनरल बसंत कुमार रेप्सवाल को महासचिव और मनोज जोशी को कोषाध्यक्ष के रूप में नौ परिषद सदस्यों के साथ चुना गया।

राम चरण और कियारा आडवाणी की बहुप्रतीक्षित फिल्म गेम चेंजर

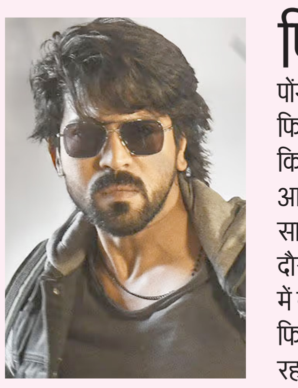

फिल्म गेम चेंजर राम चरण और कियारा आडवाणी की बहुप्रतीक्षित फिल्म है और यह फिल्म अगले महीने पोंगल त्योहार के मौके पर रिलीज होने वाली है। फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रामचरण और कियारा आडवाणी इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म को एस शंकर निर्देशित कर रहे हैं। साउथ अभिनेता श्रीकांत ने हैदराबाद में एक इंटरव्यू के दौरान फिल्म में काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की। इतना ही नहीं इस दौरान श्रीकांत ने फिल्म के सीक्वल को लेकर क्या प्लान चल रहा है इस बारे में भी बात की है।

जानेमाने निर्देशक इस शंकर के साथ अपने काम करने के अनुभव पर बात करते हुए साउथ अभिनेता श्रीकांत ने बताया कि शंकर ने उन्हें पहले ही दिन से फिल्म सेट पर सहज महसूस कराया है। एक निर्माता के तौर पर वह कई सारे टेक लेते हैं, लेकिन उन्हें अच्छी तरह से पता है कि उन्हें कलाकारों से क्या काम लेना है। बातचीत के दौरान साउथ अभिनेता श्रीकांत ने बताया कि गेम चेंजर एक स्टैंडअलोन फिल्म है। उनकी इस बात से यह अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि आने वाले वक्त में इसके सीक्वल के बारे में जो बात चल रही है, उसका कोई मतलब नहीं। श्रीकांत ने यह भी कहा कि शंकर की हालिया रिलीज ने भले ही दर्शकों को निराश किया हो लेकिन उनकी फिल्म गेम चेंजर लोगों को पसंद आएगी। श्रीकांत ने कहा की फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी, इस फिल्म में राजनीतिक पहलू के साथ कई ट्विस्ट शामिल है और यही कारण है कि इस फिल्म के दर्शकों को पसंद आने का दावा किया जा रहा है। राम चरण के किरदार की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि श्रीकांत एक मेच्योर्ड एक्टर है और वह अपनी भूमिका को बखूबी निभा रहे हैं।

पुष्पा 2 का बॉक्स ऑफिस पर जलवा जारी, 10वें दिन की तगड़ी कमाई

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर 'पुष्पा 2: द रूल' इस समय बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। 5 दिसंबर को रिलीज हुई इस फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म को रिलीज हुए 10 दिन हो गए हैं। फिर भी सुकुमार की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हर दिन करोड़ों की कमाई कर रही है। कमाई के साथ-साथ फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' नए रिकॉर्ड बना रही है। फिल्म ने शनिवार को भी जमकर कमाई की है। फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' ने रिलीज के दूसरे शनिवार को 62.3 करोड़ का बिजनेस किया। इसमें से 46 करोड़ की कमाई हिंदी वर्जन ने की, जबकि तेलुगु वर्जन ने 13 करोड़ की कमाई की। शुक्रवार को 'पुष्पा 2: द रूल' ने 27.5 करोड़ की कमाई की थी। शनिवार को इसमें अच्छी बढ़त देखने को मिली।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' ने देशभर में अब तक 824 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। इसमें से 498 करोड़ की कमाई हिंदी वर्जन ने की है। फिलहाल हिंदी वर्जन को तेलुगु वर्जन के मुकाबले दर्शकों का बेहतर रिस्पॉन्स मिल रहा है। 'पुष्पा 2: द रूल' ने कुल कमाई के मामले में 'जवान' और 'आरआरआर' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है।

रश्मिका मंदाना ने पुष्पा 2-एनिमल डायरेक्टर का किया सपोर्ट

एनिमल और उसके बाद पुष्पा 2: द रूल, इन फिल्मों ने रश्मिका मंदाना के स्टारडम को आसमान तक पहुंचा दिया है। दोनों ही फिल्मों में उनके किरदार और परफॉर्मेंस को लेकर खूब चर्चा रही। रश्मिका ने अपनी बेहतरीन एक्टिंग की छाप छोड़ी। लेकिन लीग से हटकर एक विलेन नुमा हीरो की पत्नी का किरदार निभाने पर रश्मिका को कई सवालों का भी सामना करना पड़ा। एनिमल में रश्मिका ने गीतांजलि का किरदार निभाया था, इस पर खूब सवाल उठे थे कि कैसे वो एक ऐसे अल्फा मेल किरदार के प्यार में पड़ीं जो सिर्फ खून खराबा जानता है। ऐसे में उसे रिलेशनशिप में चीट करना भी सही लगता है। वहीं पुष्पा 2 में श्रीवल्ली का किरदार जिसका पति एक स्मग्लर है और लोगों को बेरहमी से मार गिराता है। बावजूद इसके श्रीवल्ली उसका साथ देती है।

'महिलाओं की इज्जत करना जानते हैं'

रश्मिका ने इस सभी मुद्दों पर चुप्पी तोड़ी और बताया कि वो क्यों इन दोनों कैरेक्टर्स को निभाने में पीछे नहीं हटीं सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में रश्मिका ने कहा कि वो ग्रेटफुल हैं कि उन्हें इसे निभाने का मौका मिला। क्योंकि एनिमल के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा, और पुष्पा डायरेक्टर सुकुमार दोनों जानते हैं कि अपनी फीमेल कैरेक्टर्स की इज्जत कैसे करनी है। साथ ही अपने एक्स्पीरियंस को भी शेयर किया।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

न्यूज़ ब्रीफ

दो दिन से लापता किशोर की मिली लाश

बुलंदशहर। यूपी के बुलंदशहर में दो दिन से लापता चल रहे किशोर का शव रविवार को रजवाहे में मिला। गुस्साए परिजनों ने मेरठ-बदायूं हाईवे पर शव रखकर जाम लगाया दिया। पुलिस के अधिकारियों ने परिजनों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। पुलिस की मौजूदगी में पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया। मृतक के पिता ने छह लोगों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार शिकारपुर के मोहल्ला मुफ्तीवाड़ा के रहने वाले वेदप्रकाश का बेटा मयंक (15 वर्ष) दो दिन पहले संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गया था। परिजनों ने सूचना स्थानीय पुलिस को दी थी। वेदप्रकाश ने बताया कि 13 दिसंबर की शाम 7:30 बजे मोहल्ले के बलवीर व दौलत घर पहुंचे। वे खुर्जा से सब्जी लेने की बात कहकर मयंक को साथ ले गए। रात करीब 2:30 बजे मयंक ने अपने चचेरे भाई दक्ष सैनी के मोबाइल पर बताया है कि उसे लोकेश व उसके भाई रोशन, मनोज, अतुल क्षेत्र के बाढा रजवाहे की तरफ लेकर आए हैं और जान से मारना चाहते हैं।

संभल में 46 साल बाद खुले मंदिर और कूप की होगी कार्बन डेटिंग

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में अतिक्रमण और बिजली चोरी के खिलाफ जारी अभियान के बीच जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने रविवार एक बयान दिया है। जिलाधिकारी ने करीब 46 साल बाद खोले गए मंदिर और कूप की कार्बन डेटिंग कराने के बात कही है। उन्होंने बताया कि इसके लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को पत्र लिखा गया है। पत्रकारों से बातचीत के राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि यह कार्तिक महादेव का मंदिर है और यहां एक कूप (कुआं) मिला है जो अमृत कूप है। मंदिर में पूजा भी शुरू हो गई है। यहां पर अब भी अतिक्रमण है। कल कुछ अतिक्रमण हटाया गया और बचा हुआ अतिक्रमण भी हम हटाएंगे। हमने मंदिर और कूप की कार्बन डेटिंग के लिए एएसआई को पत्र लिखा है। इस बीच पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि मंदिर की सुरक्षा की दृष्टि से पूरे क्षेत्र को सीसीटीवी से कवर किया गया है। इसके अलावा यहीं पर कंट्रोल रूम भी बनाया जा रहा है जिससे यहां चौबीसों घंटे सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे और कोई अराजक तत्व यहां ना आ सके।

गोरखपुर में हाफ एनकाउंटर

गोरखपुर। गोरखपुर में पेट्रोल पंप के पास दिनदहाड़े फायरिंग कर सनसनी फैलाने वाले हिस्ट्रीशीटर सरफराज को एसओजी ने रविवार दोपहर मुठभेड़ में गोरखनाथ इलाके से गिरफ्तार कर दिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में उसके पैर में गोली लगी है। उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उसका साथी बाइक लेकर फरार हो गया। सीओ गोरखनाथ रवि सिंह ने बताया कि गोरखनाथ इंस्पेक्टर शशिभूषण राय और एसओजी प्रभारी सूरज सिंह अपनी टीम के साथ गोड़िअहवा मोड़ पर चेकिंग कर रहे थे। इसी बीच मुखबिर से पता चला कि बाइक से दो बदमाश बाइक से आ रहे हैं और किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर रोकने का प्रयास किया तो वे नया गांव की तरफ भागे। पीछा करने पर रोहिन नदी के पास उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।

दिल्ली चुनाव

AAP ने सभी 70 सीटों पर उतारे प्रत्याशी

नई दिल्ली से केजरीवाल तो कालका से आतिशी लड़ेंगी चुनाव

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज होने लग गई है। इस बीच आम आदमी पार्टी (AAP) ने अपनी बची हुई सभी सीटों पर प्रत्याशी उतार दिए हैं। पार्टी ने रविवार को अपनी चौथी लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें 38 उम्मीदवारों को टिकट दिया है। इससे पहले आम आदमी पार्टी ने 3 लिस्ट जारी की थीं, जिसमें 32 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी थी। आम आदमी पार्टी ने रविवार को पार्टी में शामिल होने वाले रमेश पहलवान को भी दिया टिकट दिया है। उसने कस्तूरबा नगर से अपने मौजूदा विधायक मदन लाल का टिकट काट दिया है और उन्हीं की जगह रमेश पहलवान को उम्मीदवार बनाया है।

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली विधानसभा से चुनाव लड़ेंगे, जबकि मुख्यमंत्री आतिशी कालका जी से ही चुनावी अखाडे.में उतरी हैं। इसके अलावा ग्रेटर कैलाश से सौरभ भारद्वाज, बाबरपुर से गोपाल राय, मालवीय नगर से सोमनाथ भारती, मटिया महल से शोएब, राजेंद्र नगर से दुर्गेश पाठक चुनाव लड़ेंगे।

काटे 17 विधायकों के टिकट

उत्तम नगर सीट से नरेश बाल्यान की पत्नी पूजा नरेश बाल्यान को टिकट दिया गया है। नरेश बाल्यान फिलहाल जेल में हैं। दिल्ली पुलिस ने मकोका के तहत नरेश बाल्यान को गिरफ्तार किया था। आम आदमी ने कुल मिलाकर 17 मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए हैं।

केजरीवाल ने बीजेपी पर हमला

इस बीच अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, 'आज आम आदमी पार्टी ने सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए। पार्टी पूरे आत्मविश्वास और पूरी तैयारी के साथ चुनाव लड़ रही है। बीजेपी गायब है। उनके पास ना CM चेहरा है, ना टीम है, ना प्लानिंग है और ना दिल्ली के लिए कोई विजन है। उनका केवल एक ही नारा है, केवल एक ही नीति है और केवल एक ही मिशन है- केजरीवाल हटाओ। उनसे पूछो 5 साल क्या किया, तो वो जवाब देते हैं, केजरीवाल को खूब गाली दी।' आप संयोजक ने कहा, 'हमारी पार्टी के पास दिल्ली वालों के विकास के लिए विज़न है, प्लान है और उसे लागू करने के लिए पढ़े लिखे लोगों की एक अच्छी टीम है। पिछले दस सालों में किए कामों की लंबी लिस्ट है। दिल्ली वाले काम करने वालों को वोट देंगे, ना कि गाली देने वालों को।'

'काश 2021 में समझौता हो गया होता, तो बेटा जिंदा होता'

एजेंसी । समस्तीपुर

'काश अतुल और निकिता के वैवाहिक जीवन में विवाद साल 2021 में ही सुलझ गया होता, तो अतुल आज जिंदा होते।' अतुल के पिता को भी आज यही मलाल है। चार्टर्ड अकाउंटेंट पंकज ज्योति द्वारा गए इंटरव्यू की पुष्टि करते हुए अतुल के पिता ने कहा कि साल 2021 में पंकज ज्योति के घर पर समझौता हुआ था। जिसमें निकिता ने दहेज की पूरी लिस्ट बनाकर तलाक के बदले 20 लाख रुपए मांगे थे। वह लिस्ट आज भी हमारे पास है।अतुल सुभाष के पिता पवन मोदी ने फूट-फूटकर रोते हुए कहा कि हमारी बहू निकिता के चचेरे भाई ने पंकज ज्योति के माध्यम से अतुल और निकिता के बीच विवाद को सुलझाने की कोशिश की थी। जब पंकज ज्योति ने हमारे चचेरे भाई बजरंग से बात की, तो बजरंग ने हमसे पूछा था कि क्या मामला है? तो हमने उन्हें बताया कि हमारी बहू जौनपुर में है। वह आती नहीं है। उस समय हमने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया। फिर हमें पता चला कि निकिता अपनी मां के साथ पंकज ज्योति के यहां आ रही है। फिर मैं भी तब वहां गया था। तो देखा निकिता, उसकी मां और मेरा पोता वहां थे। इसके अलावा उसके जीजा और दोस्त भी वहां थे। समझौते के दौरान वह कहने लगी कि तुम्हारा बेटा ऐसा है वैसा है। तो लोगों ने मुझे कहा कि आप चुप रहो, नहीं तो मामला बढ़ जाएगा। अतुल के पिता ने बताया कि निकिता की मां ने कहा कि हमें उसकी शादी कहीं और करवानी है। वह अतुल के साथ नहीं रहेगी। इस पर हमने कहा कि ठीक है। उसका जीवन भी सुखी रहे। मेरे बेटे का जीवन भी सुखी रहे। फिर उसने दहेज में दी जाने वाली चीजों का जिक्र किया। इसके बाद उसने एक लिस्ट बनाकर हमें दी, जो आज भी हमारे पास है।

'20 लाख में अलग होने के लिए राजी हो गई थी निकिता'

निकिता द्वारा लिखी गई चीजों की लिस्ट अभी भी मेरे बैग में है। समझौते में बैठे लोगों ने इसकी कीमत 20 लाख रुपए लगाई थी। इस पर हम सहमत हो गए और कहा कि तुम उसे तलाक दे दो और दूसरी शादी कर लो। साथ ही हमें अपना पोता भी दे दो। फिर निकिता ने कहा कि ठीक है। तुम 20 लाख दे दो और तलाक ले लो। लेकिन मेरे बेटे अतुल ने कहा कि दे दो, लेकिन वह पैसों की भूखी है। उसने हमसे 50 लाख मांगे थे। आप पैसे दे दीजिए और वह तलाक नहीं देगी। अतुल के पिता ने कहा कि मेरे बेटे अतुल ने कहा कि पंकज ज्योति के पास 20 लाख रुपए जमा करा दीजिए और जब वह तलाक दे देगी, तो वहां से पैसे ले लेंगे। इसलिए हम फिर पंकज ज्योति के पास गए और कहा कि हम आपके पास पैसे जमा करा देंगे। लेकिन उसकी नीयत ठीक नहीं थी। वह पैसे भी लेना चाहती थी और केस भी लड़ती रहना चाहती थी।

AAP कल लगाएगी 'महिला अदालत'

दिल्ली की कानून व्यवस्था को लेकर बीजेपी पर करेगी हमला

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली में फरवरी में विधानसभा चुनाव होना है। इसे लेकर राजनीतिक पार्टियों ने कमर कस ली है। इसी क्रम में आम आदमी पार्टी (AAP) कल 'महिला अदालत' लगाएगी। 'महिला अदालत' में AAP के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल के साथ अखिलेश यादव भी हिस्सा लेंगे। इस दौरान आम आदमी पार्टी दिल्ली में महिला सुरक्षा और बिगड़ती कानून व्यवस्था के मुद्दे को उठाएगी। पिछले सप्ताह अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दिल्ली में गैंगवार और गोलीबारी सहित अपराध में वृद्धि पर चर्चा के लिए बैठक की मांग की थी। आम आदमी पार्टी पिछले 2 महीनों से इस मुद्दे पर भाजपा को घेरने की कोशिश कर रही है। केजरीवाल और सीएम आतिशी दोनों ही हाल ही में गोलीबारी में मारे गए पीड़ितों के घर भी गए थे।

दिल्ली के मंत्री और ग्रेटर कैलाश विधानसभा सीट से AAP उम्मीदवार सौरभ भारद्वाज ने कहा कि ये साफ है कि (विधानसभा) चुनाव की तैयारियों में AAP सबसे आगे है, हमें अपने उम्मीदवारों की घोषणा करने में कोई उलझन नहीं है और लोगों को भी अपना नेता चुनने में कोई उलझन नहीं है, दिल्ली की जनता आप को वोट देगी। नई दिल्ली विधानसभा सीट को लेकर उन्होंने कहा कि नई दिल्ली सीट का मुकाबला भारत की तस्वीर दिखाता है। एक तरफ एक आम आदमी है, दूसरी तरफ दो ऐसे लोग हैं जिनकी अपनी कोई पहचान नहीं है। वे अपने माता-पिता के नाम से जाने जाते हैं।

हारने पर EVM पर दोष, चुनाव परिणाम स्वीकार कर रोना बंद करे कांग्रेस: मुख्यमंत्री अब्दुल्ला

एजेंसी । जम्मू कश्मीर

हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद कांग्रेस पार्टी लगातार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) पर सवाल खड़े कर रही है। इस बीच जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का एक बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस को चुनाव परिणाम को स्वीकार कर ईवीएम पर रोना बंद करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने बीजेपी की बात को दोहराते हुए कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि जब आप चुनाव जीतें तो परिणाम स्वीकार कर लें और जब हार जाएं तो EVM पर दोष मढ़ दें।

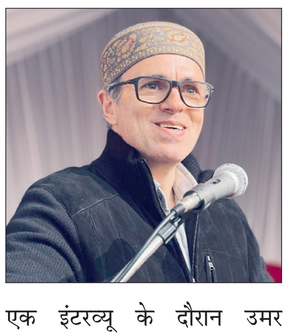

एक इंटरव्यू के दौरान उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब इसी EVM के इस्तेमाल से (हुए चुनाव के बाद) संसद में आपके (कांग्रेस) 100 से ज्यादा सदस्य पहुंच जाते हैं और आप (कांग्रेस) इसे अपनी पार्टी के लिए जीत का जश्न मनाते हैं, ऐसे में कुछ महीने बाद आप पलटकर यह नहीं कह सकते कि हमें ये EVM पसंद नहीं हैं क्योंकि अब चुनाव के परिणाम उस तरह नहीं आ रहे हैं जैसा हम चाहते हैं।

उमर के बीजेपी प्रवक्ता की तरह बात करने को लेकर उन्होंने कहा कि ईश्वर ना करें, लेकिन जो सही है वो सही है। सीएम ने कहा कि वो गठबंधन सहयोगी के प्रति निष्ठा के बजाय सिद्धांतों के आधार पर बोलते हैं। इसके साथ ही उन्होंने सेंट्रल विस्टा जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अपने समर्थन को अपनी स्वतंत्र सोच का उदाहरण बताया। उमर ने कहा कि हर किसी की धारणा के विपरीत मुझे लगता है कि दिल्ली में सेंट्रल विस्टा परियोजना के साथ जो हो रहा है वह एक बहुत अच्छी चीज है। उन्होंने कहा कि नया संसद भवन बनाना एक बेहतरीन विचार था और हमे इसकी जरूरत थी क्योंकि पुराना संसद भवन अपनी उपयोगिता खो चुका है।

'जिसे मतदान तंत्र पर भरोसा नहीं वो चुनाव न लड़ें'

इसके जवाब में सीएम उमर ने कहा कि अगर पार्टियों को मतदान तंत्र पर भरोसा नहीं है तो उन्हें चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा अगर आपको EVM से दिक्कत है, तो उसे लेकर आपका रुख एक जैसा रहना चाहिए।

कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में लोगों के अधिकारों, विकास और शांति के लिए प्रतिबद्ध है: रमन भल्ला

एजेंसी । जम्मू

जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला ने आरएस पुरा निर्वाचन क्षेत्र में जनसम्पर्क के दौरान जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकारों, सम्मान और विकास के लिए कांग्रेस की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। भल्ला ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस क्षेत्र में विकास, शांति और लोकतंत्र की बहाली को प्राथमिकता देती है।

पंचायत और नगर पालिका चुनावों की तत्काल आवश्यकता पर बोलते हुए भल्ला ने भाजपा पर जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने विधानसभा चुनावों को सुगम बनाने में हस्तक्षेप करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का आभार व्यक्त किया और कहा कि कांग्रेस हमेशा न्याय और लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई में लोगों के साथ खड़ी रहेगी।

भल्ला ने बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और शोषण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित किया। उन्होंने हजारों रिक्त पदों को भरने में विफल रहने और केवल अस्थायी या अनुबंध-आधारित रोजगार की पेशकश करने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा लोगों ने बहुत सहन कर लिया है। अब बदलाव का समय है। पूर्व मंत्री ने बिजली की बढ़ती कीमतों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए पेंशन में देरी पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने सरकार से इन ज्वलंत मुद्दों को हल करने का आग्रह किया। साथ ही आम लोगों के हितों की रक्षा करने वाली नीतियों की आवश्यकता पर बल दिया। जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने पर भल्ला ने कांग्रेस के स्पष्ट एजेंडे को दोहराया। उन्होंने कहा यह हमारी प्राथमिकता है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को उनके लोकतांत्रिक अधिकार वापस मिलें। कांग्रेस ऐसे कानूनों को स्वीकार नहीं करेगी जो जम्मू-कश्मीर के नागरिकों के हितों की रक्षा करने में विफल हों। आगामी पंचायत और नगर पालिका चुनावों में मतदाताओं से कांग्रेस का समर्थन करने का आग्रह करते हुए भल्ला ने भाजपा पर पिछले एक दशक में झूठे वादों के साथ जनता को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कांग्रेस ने हमेशा जम्मू-कश्मीर के लोगों के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए काम किया है। हम शांति, समृद्धि और समान विकास लाने का वादा करते हैं।

मोदी को कभी 'चायवाला' नहीं कहा: मणिशंकर अय्यर

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कभी भी चायवाला नहीं कहा था। उन्होंने 2014 के विवाद को एक नई किताब ए मैवरिक इन पॉलिटिक्स में इसका जिक्र किया है, जिसे जगरनॉट ने प्रकाशित किया है। राजनयिक से राजनेता बने अय्यर ने गांधी परिवार के साथ अपने दशकों पुराने संबंधों पर उन्होंने कहा कि उन लोगों ने उनके राजनीतिक करियर को बनाया और बिगाड़ा। उन्होंने लिखा कि भारत के लोग इसे कभी स्वीकार नहीं करेंगे। मैंने कहा, कभी नहीं! कभी नहीं! कभी नहीं! मैंने मजाक में कहा कि अगर चुनाव हारने के बाद भी मोदी चाय परोसना चाहते हैं, तो हम उनके लिए यहां कुछ व्यवस्था कर सकते हैं।अय्यर ने उल्लेख किया कि जिस व्यक्ति ने कहा कि वे 'चायवाला' हैं, वे स्वयं मोदी थे – ताकि 'उनके विनम्र शुरुआत के कुछ हद तक संदिग्ध दावे पर जोर दिया जा सके।'

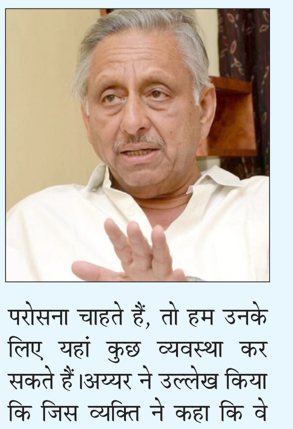

उन्होंने कहा, 'तब से ही – और तब से – इसे इस तरह प्रचारित किया जा रहा है कि मैंने कहा था कि मोदी प्रधानमंत्री नहीं बन सकते क्योंकि वे 'चायवाला' हैं। मैंने कभी मोदी को 'चायवाला' नहीं कहा और कभी भी उनके 'चायवाला' होने को इस कारण से आगे नहीं बढ़ाया कि मैं मानता हूं कि वे कभी प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे। जैसे-जैसे कथित टिप्पणी ने जोर पकड़ा, कांग्रेस पार्टी और नेतृत्व धीरे-धीरे आश्वस्त हो गया कि अय्यर ने 'बाधा डाल दी है।'

अय्यर ने लिखा, 'मीडिया और मोदी ने मोदी के प्रधानमंत्री के रूप में शासन करने के अयोग्य होने के बारे में मेरी कथित (लेकिन पूरी तरह से असत्य) टिप्पणी को खूब प्रचारित किया, क्योंकि (जैसा कि उन्होंने दावा किया) उन्होंने 'चायवाला' के रूप में जीवन शुरू किया था।

साल 2025 में कब लगेगा पहला चंद्र ग्रहण? जानें तारीख और समय

एजेंसी । नई दिल्ली

हिंदू धर्म शास्त्रों में चंद्र ग्रहण को महत्वपूर्ण माना गया है। दरअसल, चंद्रमा को ग्रहण लगना एक खगोलीय घटना है। ये घटना पृथ्वी और चंद्रमा के बीच सूर्य की उपस्थिती के कारण घटती है। मतलब जब सूर्य पृथ्वी और चंद्रमा के बीच आ जाता है, तो चंद्र ग्रहण लगता है। कुछ ही दिनों में नया साल आने वाला है। ऐसे में ज्योतिषीय गणना के अनुसार जानते हैं कि साल 2025 का पहला चंद्र ग्रहण कब लगेगा। साथ ही इस ग्रहण का असर भारत में होगा या नहीं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जानते हैं।

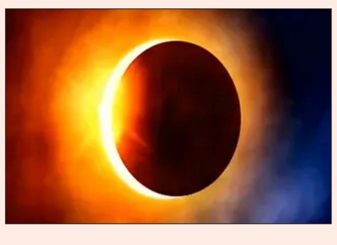

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, साल 2025 में फाल्गुन महीने की पूर्णिमा को साल का पहला चंद्र गहण लगेगा। साल 2025 में 14 मार्च को फाल्गुन महीने की पूर्णिमा तिथि पड़ रही है। इसी शुभ तिथि पर नए साल में पहली बार चांद को ग्रहण लगेगा। साल 2025 में लगने वाला ये पहला चंद्र गहण भारत में नजर नहीं आएगा। इसी कारण भारत में इस चंद्र ग्रहण के सूतक काल की भी मान्यता नहीं होगी। सूतक काल की मान्यता तभी होती है जब ग्रहण नजर आता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, साल 2025 में 14 मार्च को सुबह 9 बजकर 29 मिनट से लेकर दोपहर 3 बजकर 29 मिनट तक चंद्रमा को ग्रहण लगेगा।

इन बातों का ध्यान

- ज्योतिषियों के अनुसार, चंद्र ग्रहण के दौरान देवी-देवताओं की मूर्ति को नहीं छूना चाहिए।
- इस दौरान पूजा-पाठ भी नहीं किया जाना चाहिए।
- इस दौरान देवी-देवाताओं के नामों का जाप करते रहना चाहिए।
- इस दौरान भोजन नहीं बनाना चाहिए और उसका सेवन भी नहीं करना चाहिए।
- चंद्र ग्रहण के दौरान सोना नहीं चाहिए।
- नुकीली चीजों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

हम अभी भी बहुत गंभीर पैमाने पर आतंकवाद का मुकाबला कर रहे हैं: एस जयशंकर

एजेंसी । नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दिल्ली में 'India's World Magazine' के विमोचन में शिरकत की. इस दौरान उन्होंने तमाम मुद्दों पर बात की. जयशंकर ने कहा कि विदेश नीति पुरानी और नई का मिश्रण है। ऐतिहासिक रूप से हम जिन मुद्दों का सामना करते आए हैं, उनमें से कई अभी भी खत्म नहीं हुए हैं। हमें अभी भी अपनी सीमाओं को सुरक्षित करना है। हम अभी भी बहुत गंभीर पैमाने पर आतंकवाद का मुकाबला कर रहे हैं, आतंकवाद से लड़ रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि अतीत की कड़वी यादें हैं। वर्तमान की आवश्यकताएं हैं। हम पहले से ही एक ऐसी विदेश नीति की ओर बढ़ चुके हैं, जिसका सीधा काम राष्ट्रीय विकास को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि अगर आप विदेश मंत्रालय की नीति तंत्र द्वारा जारी किए गए सभी संयुक्त विज्ञप्तियों को देखें, तो आप पाएंगे कि पिछले 10 सालों में आर्थिक कूटनीति पर बहुत अधिक जोर दिया गया है।उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री या विदेश मंत्री बाहर जाते हैं, तो तकनीक, पूंजी, सर्वोत्तम प्रथाओं, सहयोग और निवेश के बारे में बहुत कुछ होता है। हमने दक्षिण पूर्व एशिया और पूर्वी एशिया के अन्य देशों से सबक लिए हैं। जो इसे हम जितना कर रहे थे उससे कहीं अधिक समय से कर रहे थे।

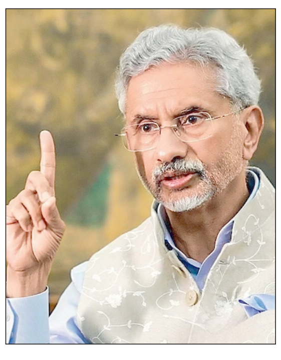

'भारत एक ऐसा देश है जिससे अधिक अपेक्षाएं हैं'

विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत की उभरती वैश्विक भूमिका को भी रेखांकित करते हुए कहा कि आज भारत एक ऐसा देश है जिससे अधिक अपेक्षाएं हैं, एक ऐसा देश है जिसकी जिम्मेदारियां अधिक हैं। पहले उत्तरदाता के रूप में भारत का विचार अधिक बार होगा।उन्होंने कहा कि विस्तारित पड़ोस क्षेत्र में उम्मीद रहेगी कि भारत जब भी चाहे अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया का हिस्सा बनेगा क्योंकि दुनिया बदल रही है, नए विचार और पहल होंगी। पूरा निर्माण अधिक खुली वास्तुकला और अधिक बहुविकल्पीय होगा लेकिन बहुत गहरी भागीदारी और अधिक जटिल निर्णय होंगे।